राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या, प्रयागराज, मिर्जापुर, गोरखपुर, बरेली, बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 15 अप्रैल 2025
वर्ष 16, अंक 84, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

न्यायालय के आदेश पर दिगंबर जैन मंदिर की जमीन कब्जा मुक्त..03

भारत की न्यूक्लियर छलांग पर क्या बोला पाकिस्तान? हर तरफ हो रही चर्चा..04

सबरीमाला केस: आस्था पर न्यायिक समीक्षा नहीं... सुप्रीम कोर्ट में केंद्र का तर्क

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान केंद्र सरकार ने कहा कि अगर मेरी आस्था सार्वजनिक व्यवस्था के खिलाफ नहीं है, तो उस पर न्यायिक समीक्षा नहीं हो सकती. सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अगर मैं किसी बात पर विश्वास करता हूं और वह सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता या स्वास्थ्य के खिलाफ नहीं है तो तर्क और विज्ञान के आधार पर न्यायिक समीक्षा नहीं हो सकती. SG ने शेषाम्मल और अन्य बनाम तमिलनाडु राज्य (1972) मामले का हवाला दिया।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने शेषाम्मल मामले में कहा था कि राज्य की कोई भी कार्रवाई जो आगमों द्वारा अधिकृत न किए गए अर्चक के स्पर्श से मूर्ति को अपवित्र या दूषित करने की अनुमति देती है. वह हिंदू उपासक की धार्मिक आस्था और प्रथाओं में गंभीर रूप से हस्तक्षेप करेगी और इसलिए संविधान के अनुच्छेद 25(1) के तहत प्रथम दृष्टया अमान्य होगी।

धर्म के मूल तत्व का बलिदान नहीं किया जा सकता- SG

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने 1972 के फैसले में उद्धृत पालखीवाला के तर्कों को पढ़ा कि सामाजिक सुधार के बहाने राज्य किसी धर्म को मिटा नहीं सकता. इस पर जस्टिस नागरत्ना ने टिप्पणी की कि सामाजिक सुधार के नाम पर कोई धर्म अपनी पहचान नहीं खो सकता. एसजी ने कहा कि सुधार के नाम पर धर्म के मूल तत्व का बलिदान नहीं किया जा सकता.

सुधार किसी धर्म को खोखला नहीं कर सकता- जस्टिस नागरत्ना

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि सुधार किसी धर्म को खोखला नहीं कर सकता. सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने एसपी मित्तल मामले (ऑरोविल) में 'धार्मिक संप्रदाय' की परिभाषा पर दिए गए स्पष्टीकरण को पढ़ते हुए कहा संविधान के अनुच्छेद 26 में प्रयुक्त शब्द 'धार्मिक संप्रदाय' को 'धर्म' शब्द से ही अर्थ लेना चाहिए और यदि ऐसा है, तो 'धार्मिक संप्रदाय' अभिव्यक्ति को तीन शर्तों को भी पूरा करना होगा।

पहला ये कि यह ऐसे व्यक्तियों का समूह होना चाहिए जिनकी मान्यताओं या सिद्धांतों की एक प्रणाली हो जिसे वे अपने आध्यात्मिक कल्याण के लिए सहायक मानते हों, अर्थात एक साझा आस्था. दूसरा साझा संगठन और तीसरा एक विशिष्ट नाम द्वारा नामित होना. वे ऑरोविल मामले में धार्मिक संप्रदाय की परिभाषा को सीमित मानते हुए उससे असहमत हैं. स्व का तर्क है कि एक संप्रदाय अन्य संप्रदायों के कुछ हिस्सों से मिलकर बन सकता है. विभिन्न आस्था प्रणालियों, धर्मों और संप्रदायों के लोग एक ही धार्मिक स्थल पर एकत्रित हो सकते हैं।

जस्टिस नागरत्ना ने याचिका की वैधता पर उठाए सवाल

जस्टिस बीवी नागरत्ना ने सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को चुनौती देने वाली याचिका की वैधता पर सवाल उठाया. उन्होंने पूछा कि मूल याचिकाकर्ता भक्त नहीं हैं. किसी भी भक्त ने सुप्रीम कोर्ट में (महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध को) चुनौती नहीं दी है, याचिकाकर्ता कौन हैं? सॉलिसिटर जनरल ने जवाब दिया कि यह यंग इंडियन लॉयर्स एसोसिएशन है।

क्या भगवान अय्यप्पा के भक्त ऐसी याचिका दायर कर सकते हैं?

जस्टिस नागरत्ना ने फिर पूछा कि क्या भगवान अय्यप्पा के कोई भक्त ऐसी याचिका दायर कर सकते हैं और निष्कर्ष निकाला कि यदि कोई गैर-भक्त, यानी मंदिर से असंबंधित व्यक्ति, इसे चुनौती देता है तो क्या सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर विचार कर सकता है? और यह मुद्दा पहले हल किया जाना चाहिए. SG तुषार मेहता ने उल्लेख किया कि सबरीमाला मामले में जस्टिस इंदु मल्होत्रा के अल्पमत मत में कहा गया था कि कोई अजनबी किसी धार्मिक आंदोलन में शामिल नहीं हो सकता।

जस्टिस नागरत्ना ने याचिकाकर्ताओं के व्यक्तिगत संबंध पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि किसी संस्था द्वारा मुकदमा दायर किया गया होता, तो आदेश 7 नियम 11ए के तहत कार्रवाई के कारण के अभाव में उसे खारिज कर दिया जाता. जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि पहले इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि क्या किसी धार्मिक संप्रदाय से अपरिचित व्यक्ति जनहित याचिका के माध्यम से उस संप्रदाय की प्रथाओं पर सवाल उठा सकता है।

चुनाव आयोग से क्यों घबरा रहा है सत्ता पक्ष? सिंघवी ने CEC की छवि उठाए गंभीर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिए गए लोकसभा और राज्यसभा के नोटिस को खारिज करने को लेकर विपक्षी पार्टियों की कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई. इस दौरान कांग्रेस के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि यह गंभीर मामला है. सत्ता पक्ष चुनाव आयोग से क्यों घबरा रहा है? सत्ता पक्ष हर चीज को क्यों झुठलाने का प्रयास करता है।

उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष लोकतंत्र का गला घोंटने का काम करता है. सीईसी के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को लेकर सरकार इतना क्यों घबराई हुई है? सिंघवी ने कहा कि यशवंत वर्मा के केस में न्यायालय ने 6 स्टेज की सूची दी है. CEC के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को पहले स्टेज में खारिज कर दिया गया, जो संविधान की मूल भावना के खिलाफ है।

उन्होंने आगे कहा कि अगर महाभियोग प्रस्ताव की प्रक्रिया को इस तरह से खारिज कर दिया जाएगा तो ये सभी लोग इस प्रक्रिया से ऊपर हो जाएंगे. SIR प्रक्रिया में यूं तो कई खामियां रहीं, लेकिन 2 ऐसे मुद्दे रहे जो CEC की छवि पर सवाल खड़े करती हैं.

राज्यसभा के सभापति ने खारिज किया था प्रस्ताव

राज्यसभा के सभापति ने छह अप्रैल को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को खारिज कर दिया था. छ्वश्वष्ट को पद से हटाने के लिए ढ्ढहृष्ठ्र के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने महाभियोग का नोटिस दिया था. Section 3 of judges inquiry act 1968 के तहत अपने अधिकार का उपयोग करते हुए राज्यसभा के सभापति ने इस मोशन को स्वीकार करने से मना कर दिया है।

राज्यसभा में यह प्रस्ताव 12 मार्च को पेश किया गया था. राज्यसभा में 63 सांसदों ने इस पर हस्ताक्षर किए थे. वहीं, लोकसभा में 130 सांसदों ने इस पर साइन किए थे. इस प्रस्ताव का उद्देश्य मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाना था. नियमों के मुताबिक, किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए कम से कम 100 लोकसभा सांसदों या 50 राज्यसभा सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं।

मां के शव के साथ 5 दिन तक कमरे में रहा बेटा, प्रयागराज में आर्थिक तंगी से परेशान बुजुर्ग महिला ने फंदा लगाकर दी जान

प्रयागराज। आर्थिक तंगी से परेशान बुजुर्ग महिला ने फंदे से लटककर जान दे दी। जिस कमरे में बुजुर्ग महिला का शव लटक रहा था, उसी कमरे में पांच दिन से छोटा बेटा रह रहा था। रविवार सुबह जब ग्रामीणों को दुर्गंध महसूस हुई, तब जाकर लोगों को पता चल पाया। नंदलाल के दो पुत्र व दो पुत्रियां हैं। करीब 20 वर्ष पहले नंदलाल घर से निकले तो वापस नहीं लौटे। 65 वर्षीया पत्नी लल्ली देवी ने दोनों पुत्रियों का किसी तरह विवाह किया। बड़ा पुत्र समर बहादुर पाल दिल्ली में प्राइवेट कंपनी में काम करता है। लल्ली देवी छोटे बेटे राज बहादुर के साथ रहती थीं। रविवार सुबह नंदलाल के घर के आसपास रहने वाले लोगों को दुर्गंध महसूस हुई।

फंदे से लटक रहा था शव

कमरे के भीतर झांका तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। लल्ली देवी का शव फंदे से लटक रहा था। वहीं जमीन पर राज बहादुर शांत भाव से बैठा था। पुलिस ने फंदे से शव को उतरवाकर बाहर निकाला। पूर्व प्रधान भगेलू सरोज ने बताया कि लल्ली देवी बहुत ही गरीब थी। बड़ा बेटा स्वयं सहायता समूह से कर्ज लेकर मकान बनवा रहा था। समूह वाले आए दिन पैसा वसूली के लिए घर आने लगे, जिससे परेशान होकर समर बहादुर दिल्ली चला गया। परिवार के पास 15 बिस्वा जमीन है, जो लंबे समय से गिरवी है। ग्राम प्रधान संतोष चौधरी ने बताया कि घर में राशन आदि था। थाना प्रभारी पंकज अवस्थी का कहना है कि छोटा बेटा मानसिक रूप से कमजोर है। मामले की जांच की जा रही है।

संक्षिप्त ख़बरें

शहीद के घर पहुंचे राजनाथ, कहा-देश आपके बलिदान का कर्जदार है

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' में शहीद हुए जवान सुनील कुमार के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने शहीद की पत्नी सुजाता कुमारी, पुत्र सौरभ और शिवेश समेत परिवार के अन्य सदस्यों का हालचाल जाना।

शहीद परिवार को दिया संबल

राजनाथ सिंह ने शहीद के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि देश उनके बलिदान को कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है।

सामाजिक संगठनों से की मुलाकात

अपने आवास कालिदास मार्ग पर रक्षा मंत्री ने विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधियों से भी भेंट की। प्रतिनिधियों ने लखनऊ में चल रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस बैठक में भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी और महासचिव घनश्याम दास अग्रवाल सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

नवनियुक्त पार्षदों ने किया सम्मान

भाजपा महानगर इकाई के पदाधिकारियों और नवनियुक्त पार्षदों के प्रतिनिधिमंडल ने भी रक्षा मंत्री से मुलाकात कर उनका स्वागत किया और संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की।

विधानसभा संग्रहालय की सराहना

इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश विधानसभा का भी दौरा किया। उन्होंने विधानसभा परिसर में बने ऑडियो-विजुअल संग्रहालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह प्रदेश की लोकतांत्रिक परंपराओं और इतिहास को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करता है।

लोकतांत्रिक मूल्यों पर जोर

रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने और जन-जागरूकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने इस पहल के लिए राज्य सरकार और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को बधाई दी। उन्होंने प्रदेशवासियों से भी अपील की कि वे इस संग्रहालय का भ्रमण कर राज्य की समृद्ध विरासत को समझें।

घुसपैठियों को खदेड़ा जाएगा, उनके आका जेल भेजे जाएंगे... बीरभूम में पीएम मोदी की हुंकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीरभूम में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि घुसपैठियों को भी खदेड़ा जाएगा और घुसपैठियों के जो आका हैं, उन्हें जेल में भरा जाएगा. पीएम मोदी ने कहा कि सरकारी योजना हो या मजदूरी का काम हो. घुसपैठिए कम पैसे में काम यहां के लोगों से छीन लेते हैं और यहां के लोकल लोगों को काम की तलाश में कहीं और जाना होता है और पलायन करना होता है. अब यह नहीं चलेगा.

पीएम मोदी ने कहा कि रामपुर हाट की क्या स्थिति है, ये आप सभी प्रत्यक्ष देख ही रहे हैं मालदा में बीते दिनों क्या हुआ... ये भी पूरे देश ने देखा. स्ढ्क्रके काम में लगे जो न्यायाधीश हैं... उनको तक, बंधक बना दिया गया. इस भय से बंगाल के मानुष को मुक्ति दिलानी जरूरी है.. मां, माटी और मानुष में से मां की स्थिति और भी खराब है. पीएम मोदी ने कही कि एससी, एसटी और ओबीसी समाज के बेटियों के लिए जीना मुश्लिक हो गया है. टीएमसी देश की पहली महिला आदिवासी राष्ट्रपति का आपमान कर सकती है. उसकी मानसिकता क्या होगी? उन्होंने कहा कि अहंकारी टीएमसी सरकार देश की राष्ट्रपति को कुछ भी नहीं समझती. इसलिए कि वो राष्ट्रपति आदिवासी समाज की बेटी है और आपको अपमान करने का हक मिल जाता है. यह देश के सभी आदिवासियों और महिला का अपमान है. उन्होंने कहा कि टीएमसी के राज में कच्चे बम के निर्माण को कुटीर उद्योग बना दिया है. टीएमसी के राज में कुटीर और लघु उद्योग बंद हो रहे हैं और कच्चे बम के उद्योग बढ़ रहे हैं, लेकिन अब यह नहीं चलेगा. उन्होंने कहा कि अब इसे लेकर चुप नहीं रहेगा।

बंगाल से सिंडिकेट राज का खात्मा होगा

उन्होंने कहा कि भाजपा को वोट दीजिए. बंगाल में भी रोजगार मेला भी शुरू होगा और बंगाल के कर्मचारियों को सातवें पे कमीशन का लाभ देगी. उन्होंने कहा कि जमीन के अंदर प्राकृतिक संपदा का भंडार है, लेकिन टीएमसी की सिंडिकेट लूट रही है.उन्होंने कहा कि चार मई को टीएमसी जाएगी और भाजपा आएगी. उन्होंने कहा कि 75000 करोड़ रुपए की परियोजना केंद्र सरकार लाई है, लेकिन टीएमसी सरकार रोक कर रखी है. डबल इंजन सरकार बनने के बाद ऐसी कई परियोजनाएं शुरू होगी. उन्होंने कहा कि बीजेपी की सरकार बनाइए. गरीबों को रोजगार मिलेगा और राज्य में कोई कटमनी और सिंडिकेट नहीं होगा।

बंगाल में नौकरियां लूटने का खेल चल रहा

पीएम मोदी ने कहा कि युवा पश्चिम बंगाल की बेरहम ञ्जरूष्ट सरकार की विदाई तय करने जा रहे हैं. 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को, उन युवाओं द्वारा जवाब दिया जाएगा, जिन्होंने पिछले सालों में TMC सरकार के तहत लाठीचार्ज और दर्द झेला है. उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में, यह कोई रोजगार मेला नहीं है; यह नौकरियां लूटने का खेल चल रहा है. टीचर भर्ती घोटाले ने... हजारों परिवारों के सपनों को कुचल दिया है. इसने लाखों युवाओं को डरा दिया है, उन्हें डर से भर दिया है. पीएम मोदी ने कहा कि आज, केंद्र सरकार पूरे देश में रोजगार मेले लगाती है, जहां भी BJP की सरकारें हैं, वहां भी रोजगार मेले लगते हैं. इस पहल के तहत, लाखों युवाओं को सरकारी नौकरियों के लिए अपॉइंटमेंट लेटर बांटे जाते हैं. सिर्फ पिछले 2-2.5 सालों में, इन रोजगार मेलों के माध्यम से 17 लाख से ज़्यादा सरकारी नौकरियां दी गई हैं. उन्होंने कहा कि जिन-जिन लोगों ने बंगाल को लूटा है, चुन-चुनकर हिसाब किया जाएगा।

बंगाल बदलाव के मोड़ पर, भाजपा ही दे सकती है नई दिशा: योगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पश्चिम बंगाल सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए राज्य की मौजूदा स्थिति पर सवाल उठाए। बीरभूम जिले के सोनमुखी में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बंगाल इस समय एक निर्णायक दौर से गुजर रहा है और यहां बदलाव केवल भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में ही संभव है।

बंगाल की विरासत बनाम वर्तमान स्थिति

योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में पश्चिम बंगाल की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का जिक्र करते हुए कहा कि यह वही भूमि है जिसने देश को सुभाष चंद्र बोस, खुदीराम बोस और स्वामी विवेकानंद जैसे महान व्यक्तित्व दिए। उन्होंने कहा कि कभी यह राज्य कला, संस्कृति और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में अग्रणी था, लेकिन अब हालात बेहद चिंताजनक हो गए हैं।

तृणमूल सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप

सीएम योगी ने तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्तमान शासन में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और असामाजिक गतिविधियां बढ़ी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में 'सिंडिकेट राज' और लूट का माहौल है, जिससे आम जनता परेशान है।

यूपी मॉडल का किया जिक्र

योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि कुछ साल पहले यूपी की स्थिति भी खराब थी, लेकिन 'डबल इंजन सरकार' आने के बाद कानून-व्यवस्था में बड़ा सुधार हुआ। उन्होंने दावा किया कि अब प्रदेश में दंगे और कर्फ्यू की घटनाएं समाप्त हो चुकी हैं और विकास तेजी से हो रहा है।

भाजपा को वोट देने की अपील

मुख्यमंत्री ने जनता से भाजपा को सत्ता में लाने की अपील करते हुए कहा कि इससे राज्य में शांति और विकास का नया दौर शुरू होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल रहा है और वे कर्ज के बोझ तले दबे हैं, जिसे भाजपा सरकार ही दूर कर सकती है।

सांस्कृतिक संदर्भ और संदेश

अपने भाषण में योगी आदित्यनाथ ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय और 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जिस बंगाल ने देश को राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया, आज वही राज्य भ्रष्टाचार और अव्यवस्था से जूझ रहा है। योगी ने अंत में कहा कि बंगाल में बदलाव तय है और जनता इस बार विकास और सुशासन के लिए निर्णायक फैसला करेगी।

'ऐसी भाषा याचिका में कहां से लिखते हो?' जाति आधारित जनगणना रोकने की PIL खारिज, CJI ने लगाई फटकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

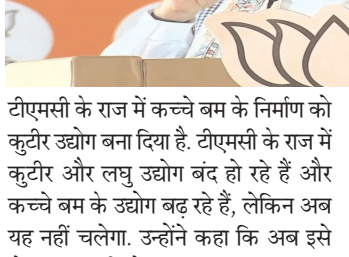

सुप्रीम कोर्ट ने जाति आधारित जनगणना रोकने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है. बताया जा रहा है कि शुक्रवार को SC में सुनवाई के दौरान केंद्र को जाति आधारित जनगणना रोकने का निर्देश देने का अनुरोध करने वाली याचिका कर दिया गया है. इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिका में इस्तेमाल की गई भाषा को लेकर याचिकाकर्ता को फटकार भी लगाई. प्रधान न्यायाधीश (CJI)सूर्यकांत सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत रूप से पेश हुए याचिकाकर्ता से स्पष्ट रूप से नाराज दिखे. उन्होंने कहा, आपने अपनी याचिका में बदतमीजी की भाषा लिखी है. आपने किससे अपनी याचिका लिखवाई है. प्रधान न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता से कहा, आप कहां से ऐसी भाषा लिखते हो याचिका में. बताया जा रहा है कि प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली इस पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली भी शामिल थे. पीठ ने इस याचिका को खारिज कर दिया. याचिका में केंद्र को एकल संतान वाले परिवारों को आर्थिक प्रोत्साहन देने के लिए नीतियां बनाने का निर्देश दिए जाने का भी अनुरोध किया गया है।

देश की पहली पूर्ण डिजिटल जनगणना होगी

सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले दो फरवरी को भी एक अन्य जनहित याचिका पर भी विचार करने से इनकार कर दिया था जिसमें 2027 की आम जनगणना में नागरिकों के जाति संबंधी आंकड़ों को दर्ज करने, वर्गीकृत करने और सत्यापित करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए थे. आधिकारिक तौर पर देश की 16वीं राष्ट्रीय जनगणना-2027 की जनगणना, 1931 के बाद पहली ऐसी जनगणना होगी जिसमें जाति के आधारित पर व्यापक गणना शामिल होगी और यह देश की पहली पूर्ण डिजिटल जनगणना भी होगी।

अगर कुछ नहीं होता, तब आप कोर्ट आएंगे

CJI ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाने के बाद बताया कि कोर्ट ने भागने के जाए आपको अधिकारियों संपर्क करना चाहिए. उन्हें कुछ मुद्दों पर समझदार बनना चाहिए. CJI ने आगे कहा कि लेकिन हम उम्मीद करते हैं कि बार के एक मेंबर के रूप में और आपके जैसे कानून की जानकारी रखने वाले व्यक्ति को मुद्दे को विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण से पहचानना चाहिए और तब अधिकारियों को जागरूक करने की कोशिश करनी चाहिए और अगर कुछ नहीं होता, तब आप कोर्ट आएंगे।'

UP-SIR में सबसे कम वोट वाली सीटों पर भी चली बड़ी कैंची, जानें चुनाव पर क्या पड़ेगा इम्पैक्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

UP-SIR में सबसे कम वोट वाली सीटों पर भी चली बड़ी कैंची चली है. SIR के बाद कम वोट और मार्जिन वाली सीटों पर भी 21 हजार से 72 हजार तक वोट कट गए है. ऐसे में 1000 से कम मार्जिन वाले छोटी सीटों पर सपा-भाजपा-आरएलडी सावधान हो जाएं. पंद्रह ऐसी सीटें जिन पर जीत का अंतर 1000 से कम रहा, वहां SIR का कितना प्रभाव पड़ेगा? आइए जानते हैं. इनमें से 6 सीटें BJP, 2 सीटें RLD और 7 सीटों पर समाजवादी पार्टी को 2022 में जीत मिली थी.अब बात उन सीटों की करते हैं जहां जीत-हार का मार्जिन बेहद कम रहा, 1000 से भी कम वोटों से कुल 15 सीटों पर फैसला हुआ था. इन कम मार्जिन वाली सीटों पर भी SIR की मार भर के पड़ी है. इन सीटों पर 21,000 से 72000 तक वोट कम हो गए हैं.जानें उस सीटों के हाल, जहां कटे वोटरों के नाम शुरुआत करते हैं धामपुर विधानसभा से जहां बीजेपी के अशोक राणा महज 203 वोटों से चुनाव जीतने में सफल रहे थे. इस सीट पर समाजवादी पार्टी के नईम-उल-हसन दूसरे स्थान पर रहे थे. SIR के बाद इस सीट पर 29821 वोट कम हो गए हैं. यह कुल वोट का लगभग 14.54% है. कुर्सी विधानसभा सीट, जहां 2022 में बीजेपी प्रत्याशी 217 वोट से जीतने में कामयाब रहे थे, वहां अब 34925 वोट कट गए हैं. मतलब कुल वोट का 12.1%. इस सीट पर जीत का अंतर 0.08% रहा था. ऐसे में विजेता की चिंता बढ़ना लाजमी है कि कहीं उसी के मतदाता न कम हो गए हों. चांदपुर विधानसभा सीट पर समाजवादी पार्टी 234 वोटों से जीती थी. इस सीट पर कुल 2,24,374 वोट थे. जीत का मार्जिन 0.10% था. अब यहां 28496 वोट कट चुके हैं. मतलब 12.7% वोट लिस्ट से आउट. ऐसे ही नहतौर में मार्जिन 258 था. प्रतिशत अंतर 0.13% था. यहां 11.6% वोट कम हुए हैं. कुल 23,359 वोट SIR के बाद कट गए हैं. यहां से BJP ने 2022 में जीत दर्ज की है. पांचवे नंबर पर राम नगर विधानसभा है, जहां सपा की जीत हुई थी महज 261 वोटों से. वहां से अब 37709 वोट कम हो गए हैं. 0.11% से जीत हार वाली सीट पर अब 16% से ज्यादा वोट कम हुए हैं।

छोटे विधानसभा पर चली बड़ी कैंची

इसौली, बिलासपुर, बरौत, नाकुर, कटरा, दिबियापुर, शाहगंज, डोमरियागंज, मुरादाबाद नगर और जसराना ये तमाम वो विधानसभा सीटें हैं, जो मतदाता संख्या के हिसाब से भी छोटे हैं. इनमें सबसे ज्यादा वोट मुरादाबाद नगर में 321,704 थे जो SIR के बाद घट कर 2,49,216 रह गए हैं. छोटी विधानसभा सीटों की बात करें तो मुरादाबाद नगर में सबसे ज्यादा 22.53% वोट कटे हैं. वोटों के लिहाज से सबसे छोटी विधानसभा कटरा है, जहां 2022 विधानसभा चुनाव में 194967 वोट थे. SIR के बाद यहां 58270 वोट और कम हो गए. यहां लगभग 30% वोट कटे हैं. अब इस सीट पर मतदाताओं की संख्या 1,36,697 मात्र रह गई. पिछले विधानसभा चुनाव में यहाँ जीत का अंतर महज 357 वोटों का था. पंद्रह छोटी विधानसभाएं जहां जीत का अंतर एक 1000 से कम रहा, उन सीटों पर SIR का प्रभाव ये रहेगा कि यहां लड़ाई अब और मुश्किल हो जाएगी. साथ ही हार जीत का अंतर भी बेहद कम रह सकता है. हालाँकि बड़ा सवाल ये है कि कटे हुए वोटों में ज्यादा किस पार्टी के वोटर्स थे? इन पंद्रह सीटों में फिलहाल बीजेपी के पास 6, सपा के पास 7 और RLD के पास दो सीटें हैं।

कोलकाता में मतदाता सूची बदलाव से बदलता चुनावी संतुलन

पश्चिम बंगाल की राजनीति में कोलकाता लंबे समय से तृणमूल कांग्रेस का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है लेकिन हाल ही में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद जो तस्वीर सामने आई है वह आगामी चुनावों के लिए नए संकेत दे रही है इस प्रक्रिया के तहत शहर की सभी 11 विधानसभा सीटों से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं और यह संख्या इतनी अधिक बताई जा रही है कि वह कई सीटों पर पिछले चुनावों के जीत हार के अंतर से भी ज्यादा है ऐसे में यह स्वाभाविक है कि इस बदलाव का असर सीधे तौर पर चुनावी गणित पर पड़ेगा और राजनीतिक दलों की रणनीतियों को भी प्रभावित करेगा निर्वाचन आयोग की इस प्रक्रिया को लेकर अलग अलग राजनीतिक व्याख्याएं सामने आ रही हैं जहां एक ओर इसे सूची को शुद्ध और अद्यतन करने की नियमित प्रक्रिया बताया जा रहा है वहीं दूसरी ओर इससे जुड़े सामाजिक और राजनीतिक प्रभावों पर भी चर्चा तेज हो गई है खासकर तब जब यह कहा जा रहा है कि हटाए गए मतदाताओं में बड़ी संख्या मुस्लिम महिला और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से जुड़े लोगों की है जिन्हें परंपरागत रूप से तृणमूल कांग्रेस का कोर वोट बैंक माना जाता रहा है ऐसे में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी के सामने नई चुनौती खड़ी होती दिख रही है क्योंकि जिन इलाकों में पहले मामूली अंतर से जीत मिली थी वहां अब समीकरण बदल सकते हैं। रासबिहारी मानिकतला काशीपुर बेलगछिया और भवानीपुर जैसी सीटें पहले से ही प्रतिस्पर्धी रही हैं और यदि हजारों मतदाताओं के नाम सूची से हटते हैं तो इसका सीधा असर परिणामों पर पड़ सकता है। विशेष रूप से भवानीपुर सीट जहां से मुख्यमंत्री स्वयं चुनाव लड़ चुकी हैं वहां बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटने की खबर ने राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी है यदि पिछले चुनावों में जीत का अंतर अपेक्षाकृत कम रहा हो और अब मतदाताओं का आधार बदल जाए तो स्वाभाविक रूप से मुकाबला और कड़ा हो जाता है हालांकि इस पूरे घटनाक्रम को केवल एक पार्टी के नजरिए से देखना अधूरा विश्लेषण होगा क्योंकि इसका प्रभाव भारतीय जनता पार्टी पर भी पड़ सकता है।

भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में कोलकाता सहित पूरे राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश की है और 2024 के लोकसभा चुनाव में भी उसे कुछ सीटों पर बढ़त मिली थी लेकिन जिन क्षेत्रों में हिंदी भाषी हिंदू मतदाताओं का प्रभाव माना जाता है वहां भी बड़ी संख्या में नाम हटने की बात सामने आ रही है ऐसे में भाजपा के लिए भी यह स्थिति पूरी तरह अनुकूल नहीं कही जा सकती सुवेंदु अधिकारी जैसे नेताओं के लिए यह जरूरी होगा कि वे अपने समर्थक वर्ग के बीच इस मुद्दे को समझें और उन्हें फिर से सूची में शामिल कराने की प्रक्रिया पर जोर दें क्योंकि यदि समर्थक मतदाता ही सूची से बाहर रह जाएं तो चुनावी रणनीति कमजोर पड़ सकती है यही कारण है कि विशेषज्ञ इस पूरी प्रक्रिया को दोधारी तलवार के रूप में देख रहे हैं एक ओर यह तृणमूल कांग्रेस के पारंपरिक वोट बैंक को प्रभावित कर सकती है तो दूसरी ओर भाजपा के उभरते आधार को भी झटका दे सकती है। इसके अलावा एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि मतदाता सूची से नाम हटने का मुद्दा केवल राजनीति तक सीमित नहीं है बल्कि यह लोकतांत्रिक भागीदारी से भी जुड़ा हुआ है यदि बड़ी संख्या में लोग मतदान के अधिकार से वंचित हो जाते हैं तो इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया की व्यापकता पर भी सवाल उठ सकते हैं इसलिए यह आवश्यक है कि इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे और जिन लोगों के नाम किसी कारणवश हटे हैं उन्हें उचित अवसर दिया जाए कि वे अपनी पात्रता साबित कर सकें और सूची में दोबारा शामिल हो सकें ।राजनीतिक दृष्टि से देखें तो कोलकाता की 11 सीटें हमेशा से प्रतीकात्मक और रणनीतिक महत्व रखती हैं यहां का परिणाम पूरे राज्य की राजनीतिक दिशा का संकेत देता है यदि इन सीटों पर मुकाबला कड़ा होता है तो इसका असर राज्य स्तरीय सत्ता संतुलन पर भी पड़ सकता है। तृणमूल कांग्रेस के लिए यह समय अपने संगठन को मजबूत करने और उन वर्गों तक फिर से पहुंच बनाने का है जिन पर उसका परंपरागत भरोसा रहा है।

वहीं भाजपा के लिए यह अवसर भी है और चुनौती भी क्योंकि यदि वह इस स्थिति का लाभ उठाना चाहती है तो उसे जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ानी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके संभावित मतदाता सूची में बने रहें अंततः यह कहा जा सकता है कि मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर बदलाव ने कोलकाता की राजनीति को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। जहां किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना अभी जल्दबाजी होगी लेकिन इतना तय है कि आने वाले चुनाव पहले की तुलना में अधिक प्रतिस्पर्धी और अनिश्चित होंगे और सभी दलों को अपनी रणनीति नए सिरे से तैयार करनी होगी इस पूरी प्रक्रिया का अंतिम असर क्या होगा यह तो चुनाव परिणाम ही बताएंगे। लेकिन फिलहाल यह मुद्दा पश्चिम बंगाल की राजनीति के केंद्र में आ चुका है और आने वाले समय में इस पर बहस और तेज होने की संभावना है।

कांतिलाल मांडोत

कहानी: एक और अध्याय

साँझ धीरे-धीरे आँगन में उतर रही थी। सूरज की अंतिम किरणें जैसे किसी थके हुए यात्री की तरह दीवारों से टिककर ठहर जाना चाहती थीं। घर के कोने-कोने में एक अनकही निस्तब्धता पसरी हुई थी।

समीरा खिड़की के पास बैठी थी। सामने नीम का वही पेड़ था, जिसकी छाँव में कभी हँसी के छोटे-छोटे मेले लगा करते थे। आज उसी पेड़ की पत्तियाँ भी जैसे चुप थीं। हवा आती तो बस हल्की-सी सरसराहट होती– जैसे कोई पुरानी याद धीरे से दस्तक दे रही हो।

आज जीवन का एक और अध्याय बंद हो गया था। सुबह जब वह स्टेशन से लौटी थी, तब तक उसके भीतर कुछ टूट चुका था। प्लेटफॉर्म पर खड़ी गाड़ी दूर तक चली गई थी और उसके साथ जैसे कोई रिश्ता, कोई विश्वास, कोई सहारा भी धीरे-धीरे ओझल हो गया था।

लोग कहते हैं— समय सब कुछ सिखा देता है। पर समय कभी-कभी सिखाने से पहले बहुत कुछ छीन भी लेता है।

समीरा ने मेज़ पर रखी पुरानी डायरी खोली। पन्नों के बीच कुछ सूखे गुलाब के फूल दबे हुए थे। वे फूल किसी समय बहुत ताज़ा रहे होंगे–ठीक वैसे ही जैसे कभी उसके जीवन में उम्मीदें ताज़ा हुआ करती थीं।

उसने एक पन्ने पर लिखा— जीवन से आज एक और चैप्टर क्लोज़ हुआ। शायद मैं आज पहले से ज़्यादा अकेली हो गई हूँ। कल तक जो लोग उसके जीवन के केंद्र में थे, आज वे स्मृतियों के हाशिए पर चले गए थे।

उसे याद आया— जब पहली बार उसने सपनों के साथ जीवन की राह पकड़ी थी, तो लगा था कि रास्ते में साथ चलने वाले लोग कभी नहीं छूटेंगे। मगर रास्ते का सच अलग होता है– कई लोग कुछ दूर तक साथ चलते हैं, फिर किसी मोड़ पर चुपचाप अलग हो जाते हैं।

नीम के पेड़ से एक सूखी पत्ती टूटकर ज़मीन पर गिरी। समीरा ने उसे उठाया और हथेली पर रख लिया।

'क्या हर कहानी का अंत ऐसा ही होता है?' उसने मन ही मन पूछा। पर तभी भीतर कहीं से एक हल्की-सी आवाज़ आई–

'नहीं... यह अंत नहीं, बस एक अध्याय का विराम है। ' उसे अचानक महसूस हुआ कि जीवन किताब की तरह ही होता है। कुछ अध्याय बहुत उजले होते हैं, कुछ बहुत कठिन। लेकिन किताब तब तक खत्म नहीं होती, जब तक आखिरी पन्ना लिखा न जाए। समीरा उठी। उसने खिड़की खोल दी।

ठंडी हवा कमरे में भर गई। दूर आकाश में एक-एक कर तारे चमकने लगे थे। उसने डायरी के उसी पन्ने पर नीचे एक और पंक्ति लिखी–

'हाँ, आज मैं पहले से अधिक अकेली हूँ... पर शायद यही अकेलापन मुझे अपने असली स्वरूप से मिलाने वाला है। ' कभी-कभी जीवन हमें लोगों से नहीं, खुद से मिलाने के लिए अकेला कर देता है।

समीरा ने दीपक जलाया। कमरे में हल्की रोशनी फैल गई। बाहर रात गहराने लगी थी, लेकिन उसके भीतर कहीं एक छोटी-सी लौ जल चुकी थी–

एक ऐसी लौ, जो कह रही थी— कहानी अभी बाकी है।

डॉ. प्रीति कुमारी

शिक्षित, आत्मनिर्भर नारियां राष्ट्र की संस्कृति, संस्कारों की सशक्त संवाहिका

आज स्त्री के संदर्भ में सारी पुरातन अवधारणाओं को बदलने का समय आ गया है ।नारी अब घर में पूज्या तो है ही साथ ही वह समाज में अपनी अहमियत की दस्तक देकर देश की सीमा सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रही है। राष्ट्र निर्माण में नारी की शिक्षा एवं उनकी सहभागिता भारत का शक्तिशाली भविष्य है, अतः नारी की शिक्षा देश के लिए अति महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई हैद्य वह समय चला गया जब किसी घर में कन्या के पैदा होने से पूरे परिवार में मातम छा जाता था अब भारत में धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश में लिंग भेद बदलने लगा है स्थिति यह है कि शिक्षित परिवार केवल एक संतान ही पैदा करना चाहती है चाहे वह कन्या हो या बेटा। अब परिवार में कन्या पैदा होने से खुशियां मनाई जाती है और पुरातन सोच अब धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश को मस्तिष्क के मूल्यांकन के साथ बदलते जा रही है।

पुरुष प्रधान समाज में नारी को पूज्या कह कर बहला दिया जाता था और उसे घर की चहारदीवारी में सीमित कर दिया गया था। यही कारण था कि वे पुरुषों की बराबरी में ना आकर बहुत पिछड़ गई और देश की समग्र विकास की स्थिति एकांगी हो गई थी। समाज यह भूल गया था कि जिन हाथों में कोमल चूड़ियां पहनी जाती हैं वही हाथ तलवार भी उठा कर युद्ध में एक वीरांगना की भूमिका निभाती है, इसकी सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रजिया बेगम और रानी लक्ष्मीबाई रही हैं। मनुस्मृति पर यदि आप नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसमें स्पष्ट कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। प्राचीन भारत में नारी शिक्षा का काफी प्रचार प्रसार किया गया था इसके कई प्रमाण भी हैं कि वेद की रिचाओं का ज्ञान नारियों को था इसमें कुछ महत्वपूर्ण नारियां समाज के लिए एक उदाहरण बन गई थी उनमें मैत्री, गार्गी, अनुसूया, सावित्री, आदि उल्लेखनीय हैं।वैदिक काल के विद्वान मुंडन मिश्र की पत्नी उदय भारती ने प्रकांड पंडित विश्व विजयी आदि शंकराचार्य को भी शास्त्रार्थ में भरी सभा में पराजित किया था ।

वेदों और पुराणों में भी उल्लेखित है कि बालिका शिक्षा समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला होता है। नारी के उत्थान में कई कुप्रथा कुठाराघात करती रही हैं, जो नारी के विकास में बाधा बनकर सामने आई थी इनमें बाल विवाह सबसे बड़ा अवरोध बना था और इसी का प्रतिफल है कि नारी पुरुष के समाज में काफी पिछड़ गई थी। महादेवी वर्मा ने नारी शिक्षा को पुरुष शिक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण बताया था उन्होंने कहा था स्त्री को शिक्षित

बनाना एक पुरुष को शिक्षित बनाने से ज्यादा आवश्यक और महत्वपूर्ण है यदि एक पुरुष शिक्षित -प्रशिक्षित होता है तो उससे एक ही व्यक्ति को लाभ होता है किंतु यदि स्त्री शिक्षित होती है तो उससे संपूर्ण परिवार शिक्षित हो जाता है. उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बात कही नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। समय के परिवर्तन के साथ साथ नारी का महत्व अब पूरे तौर पर समझा जा रहा है आज समाज तथा देश में नारियां सर्वोत्कृष्ट कार्य कर रही है।

समाज हो या विज्ञान या राजनीति अथवा समाज सेवा संपूर्ण क्षेत्र में आज नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रही है। मैडम क्यूरी, कल्पना चावला, इंदिरा गांधी, श्रीमति भंडार नायके, सरोजनी नायडू, कस्तूरबा गांधी जैसी महिलाएं राष्ट्र का मार्गदर्शन करने का काम करती रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि जब तक भारत की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम नहीं करेगी तब तक भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। आज का सबसे ताजा उदाहरण कॉमनवेल्थ गेम में महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में प्रवेश किया है और गोल्ड मेडल की तालिका में साक्षी मलिक बहनो, फोगाट बहनों ने विश्व में भारत का नाम ऊंचा किया है। पी वी संधू, वित्त मंत्री सीतारमण स्मृति ईरानी और मंत्रिमंडल में शामिल महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं। और सबसे ताजा उदाहरण भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने महिला होकर महिलाओं का नाम राष्ट्र की प्रथम पंक्ति में दर्ज कर देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद को सुशोभित किया है। उन्होंने भारत के लिए एक स्वर्णिम इतिहास भी बनाया है।अब भारत में नारियों की स्थिति प्रथम पंक्ति में मानी जाती है। ऐसे में भारत में नारी शिक्षा, उनकी सहभागिता तथा उनकी आत्म निर्भरता भारत के भविष्य की शक्तिशाली ऊर्जा एवं संपत्ति ही होगी। भारत की नारियों को नमन, प्रणाम एवं अभिनंदन।

संजीव ठाकुर

बिहार के मुख्यमंत्री पद के लिए उपयुक्त हैं - रविशंकर प्रसाद

बिहार, जो देश के प्रमुख और खनिज संपदाओं से समृद्ध राज्यों में गिना जाता है, जल्द ही एक नए नेतृत्व का साक्षी बन सकता है। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद मुख्यमंत्री पद पर परिवर्तन लगभग तय माना जा रहा है। ऐसे में राजनीतिक गलियारों में नए चेहरे को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। भारतीय जनता पार्टी के भीतर मुख्यमंत्री पद के लिए कई नाम सामने आ रहे हैं। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित लगभग एक दर्जन नेता इस दौड़ में बताए जा रहे हैं। हालांकि, इन चर्चाओं में देश के प्रख्यात विधिवेत्ता, वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद का नाम अपेक्षाकृत कम सुनाई देना आश्चर्यजनक है। रविशंकर प्रसाद भाजपा के अनुभवी और प्रभावशाली नेताओं में से एक हैं। वे अटल बिहारी वाजपेई और नरेंद्र मोदी की सरकारों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। उनके पिता भी जनसंघ के प्रमुख संस्थापकों में शामिल रहे हैं, जिससे उनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि और भी सुदृढ़ बनती है। एक कुशल वकील के रूप में सर्वोच्च न्यायालय में उनकी पहचान रही है, और कानून के गहरे जानकार होने के कारण उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मुद्दों की व्यापक समझ है। यही कारण है कि वे भाजपा ही नहीं, बल्कि पूरे देश में एक प्रभावशाली और विश्वसनीय प्रवक्ता के रूप में जाने जाते हैं।

सुशील कुमार मोदी के निधन और नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद बिहार की राजनीति में एक नया शून्य उत्पन्न हुआ है। इस परिप्रेक्ष्य में रविशंकर प्रसाद का शांत, संतुलित, शालीन और बेदाग व्यक्तित्व उन्हें मुख्यमंत्री पद के लिए एक मजबूत और उपयुक्त दावेदार बनाता है। वे न केवल एक अनुभवी राजनेता हैं, बल्कि बिहार के सामाजिक और राजनीतिक ताने-बाने की गहरी समझ भी रखते हैं। यदि भाजपा राज्य में अपनी पकड़ को और मजबूत करना चाहती है, तो उसे ऐसे ही अनुभवी और जनस्वीकार्य नेतृत्व पर विचार करना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में भाजपा नेतृत्व ने कई अप्रत्याशित लेकिन रणनीतिक निर्णय लिए हैं। ऐसे में, पार्टी के स्थापना के 47वें वर्ष में बिहार को पहला भाजपा मुख्यमंत्री देने के अवसर पर, एक परिपक्व, अनुभवी और लोकप्रिय चेहरे का चयन करना समय की मांग है। उम्मीद की जानी चाहिए कि भाजपा नेतृत्व रविशंकर प्रसाद के रूप में बिहार को एक सक्षम नेतृत्व प्रदान कर राज्य के विकास को नई दिशा देगा और प्रदेशवासियों को एक नई सौगात देगा।

अरविंद रावल

इस्लामाबाद वार्ता पर मंडराता संकट ईरान-अमेरिका संवाद, सुरक्षा खतरे और इजराइल की नाराज़गी

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद इन दिनों अंतरराष्ट्रीय राजनीति का केंद्र बनी हुई है। यहां प्रस्तावित ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता केवल एक सामान्य कूटनीतिक बैठक नहीं, बल्कि मध्य पूर्व के बदलते समीकरणों का निर्णायक मोड़ मानी जा रही है। शहर को जिस तरह से सुरक्षा घेरे में लिया गया है, वह इस बात का संकेत देता है कि इस बैठक से जुड़े जोखिम कितने गंभीर हैं। सेरेना होटल के आसपास का पूरा इलाका बंद कर दिया गया है, हजारों सुरक्षाकर्मी तैनात हैं और हर आने-जाने वाले रास्ते पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। यह सब केवल एक बैठक के लिए नहीं, बल्कि उस संभावित खतरे के कारण है जो इसमें शामिल नेताओं पर मंडरा रहा है।

इस वार्ता में अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल शामिल हो रहा है। वेंस को एक संतुलित और व्यावहारिक नेता माना जाता है, जिन्होंने इस पूरे संकट के दौरान अपेक्षाकृत शांत और संयमित रुख अपनाया है। उनके साथ स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर जैसे प्रभावशाली लोग भी मौजूद हैं, जो पहले भी मध्य पूर्व की जटिल कूटनीतिक प्रक्रियाओं में भूमिका निभा चुके हैं। दूसरी ओर, ईरान की ओर से विदेश मंत्री अब्बास अराघची इस वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं, जो अपने अनुभव और कूटनीतिक कौशल के लिए जाने जाते हैं। उनके साथ मोहम्मद बाघेर गालिबाफ जैसे प्रभावशाली नेता भी शामिल हैं, जिनकी भूमिका केवल राजनीतिक ही नहीं, बल्कि सैन्य और सुरक्षा मामलों में भी महत्वपूर्ण रही है।

इस पूरी प्रक्रिया में सबसे दिलचस्प और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इजराइल को इस वार्ता से पूरी तरह अलग रखा गया है। यही कारण है कि इजराइल इस समझौते को लेकर न केवल असहज है, बल्कि खुलकर विरोध भी कर रहा है। इजराइल की चिंता यह है कि यदि अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता होता है, तो इससे ईरान को क्षेत्र में और अधिक ताकत मिल सकती है। इजराइल लंबे समय से ईरान को अपने अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता रहा है, और वह नहीं चाहता कि ईरान को किसी भी प्रकार की कूटनीतिक या सैन्य राहत मिले। इसके अलावा, लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ चल रही कार्रवाई भी इजराइल के लिए प्राथमिकता है, और वह इस संघर्ष को बीच में रोकने के पक्ष में नहीं दिखता।

इसी कारण से इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का रुख काफी आक्रामक नजर आ रहा है। उन्होंने कई बार यह संकेत दिया है कि वे किसी भी ऐसे समझौते को स्वीकार नहीं करेंगे, जो इजराइल की सुरक्षा के हितों के खिलाफ हो। हाल ही में लेबनान में हुए हमले इस बात का प्रमाण हैं कि इजराइल अपनी रणनीति से पीछे हटने के मूड में नहीं है। यह स्थिति अमेरिका के लिए भी चुनौतीपूर्ण बन जाती है, क्योंकि उसे एक ओर अपने सहयोगी इजराइल के हितों का ध्यान रखना है और दूसरी ओर ईरान के साथ तनाव कम करने की कोशिश करनी है।

इस पूरी स्थिति में पाकिस्तान की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। पाकिस्तान इस वार्ता के जरिए खुद को एक प्रभावशाली मध्यस्थ के रूप में स्थापित करना चाहता है। लंबे समय से कूटनीतिक स्तर पर हाशिए पर रहे पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ा अवसर है। यदि यह वार्ता सफल होती है, तो पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि मजबूत होगी और उसे एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में देखा जाएगा। लेकिन यदि यह प्रयास विफल होता है, तो इसका उल्टा असर भी पड़ सकता है और पाकिस्तान की साख को नुकसान पहुंच सकता है।

सुरक्षा को लेकर पाकिस्तान की चिंता भी पूरी तरह वाजिब है। जिस तरह से ईरानी नेताओं को सुरक्षित तरीके से इस्लामाबाद लाने के लिए हवाई मार्ग पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई, वह इस बात को दर्शाता है कि किसी भी बाहरी हमले की आशंका को गंभीरता से लिया जा रहा है। आशंका यह भी है कि इजराइल या उसके सहयोगी किसी भी तरह से इस वार्ता को बाधित करने की कोशिश कर सकते हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान के भीतर सक्रिय आतंकी समूह भी इस तरह के उच्चस्तरीय आयोजन के लिए खतरा बन सकते हैं।

शहर में लागू लगभग बंद जैसे हालात इस बात का संकेत हैं कि सरकार कोई भी जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। आम नागरिकों की आवाजाही सीमित कर दी गई है और केवल सुरक्षा बलों को ही प्रमुख क्षेत्रों में आने-जाने की अनुमति है। यह स्थिति एक तरह से यह भी दर्शाती है कि यह बैठक केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि इस्लामाबाद में होने वाली यह वार्ता केवल एक समझौते की कोशिश नहीं, बल्कि कई देशों के हितों, आशंकाओं और रणनीतियों का संगम है। जहां एक ओर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर इजराइल की नाराज़गी और संभावित हस्तक्षेप इस प्रक्रिया को और जटिल बना रहे हैं। पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ी परीक्षा है, जिसमें उसकी कूटनीतिक क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था दोनों की कसौटी परख ली जाएगी। आने वाले समय में यह स्पष्ट होगा कि यह वार्ता मध्य पूर्व में शांति की दिशा में एक कदम साबित होती है या फिर एक और असफल प्रयास बनकर रह जाती है।

कांतिलाल मांडोत

परिवर्तन की दहलीज पर बिहार

बिहार एक बार फिर परिवर्तन के मुहाने पर खड़ी है। यह परिवर्तन केवल शासन के शीर्ष पर बैठे व्यक्ति का बदलाव नहीं है, बल्कि बिहार की उस राजनीतिक शैली का अंत है जिसने पिछले दो दशकों से राज्य की दिशा तय की थी। लंबे समय तक राज्य की बागडोर संभालने वाले नीतीश कुमार का राज्यसभा की ओर प्रस्थान करना एक ऐसे शून्य को जन्म दे रहा है, जिसे भरने के लिए दिल्ली से लेकर पटना तक मंथन की लहरें उठ रही हैं। उनके प्रस्थान के साथ ही यह लगभग निश्चित हो गया है कि वे मुख्यमंत्री पद का त्याग करेंगे। यह क्षण केवल एक पद की रिक्ति नहीं, बल्कि बिहार में एक नए युग के सूत्रपात का प्रतीक है। अब तक बिहार की राजनीति गठबंधन के इर्द-गिर्द घूमती रही थी, जहाँ क्षेत्रीय दलों का वर्चस्व रहा, किंतु वर्तमान परिस्थितियाँ संकेत दे रही हैं कि अब भारतीय जनता पार्टी पहली बार पूर्ण रूप से और स्वतंत्र रूप से मुख्यमंत्री पद की कमान संभालने की तैयारी में है। यह राजनीतिक परिदृश्य भाजपा के लिए जितना गौरवशाली है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी है, क्योंकि अब तक वह सहयोगी की भूमिका में थी, परंतु अब सफलता और विफलता का संपूर्ण दायित्व उसी के कंधों पर होगा।

देश की राजधानी दिल्ली में इस समय बैठकों का अनवरत क्रम जारी है। इन उच्चस्तरीय चर्चाओं का मुख्य केंद्र वह चेहरा है, जो बिहार के भविष्य की रूपरेखा तैयार करेगा। विभिन्न नामों पर गहन विचार-विमर्श हो रहा है, जिसमें सबसे प्रबल नाम सम्राट चौधरी का उभरकर सामने आया है। वर्तमान में उपमुख्यमंत्री का उत्तरदायित्व निभा रहे सम्राट चौधरी की संगठन में पकड़ अत्यंत सुदृढ़ मानी जाती है। राजनीतिक विश्लेषकों और जनसंचार माध्यमों के विवरणों के अनुसार, वे इस दौड़ में अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं। उनकी पहचान एक प्रखर और आक्रामक नेता के रूप में रही है। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय करने और विपक्षी दलों के समक्ष एक सशक्त प्रतिरोध खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके व्यक्तित्व में वह संगठनात्मक क्षमता दिखाई देती है जो इस समय सत्ता परिवर्तन के दौर में पार्टी की पहली प्राथमिकता हो सकती है।

तथापि, बिहार जैसी जटिल राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले राज्य में केवल अनुभव और पद ही निर्णय के आधार नहीं होते। यहाँ की राजनीति की आत्मा जातीय समीकरणों, सामाजिक संतुलन और सूक्ष्म चुनावी रणनीतियों में बसती है। ऐतिहासिक रूप से बिहार में जातीय पहचान एक निर्णायक कारक रही है। इसी कारण राष्ट्रीय नेतृत्व किसी ऐसे व्यक्तित्व की खोज में है जो समाज के विभिन्न वर्गों को एक सूत्र में पिरो सके। सम्राट चौधरी अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंध रखते हैं, जो बिहार के सामाजिक और राजनीतिक मानचित्र पर अत्यंत प्रभावशाली और संख्यात्मक रूप से सशक्त समूह है। ऐसे में उनका नाम चर्चा में सबसे ऊपर होना स्वाभाविक है। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व यह भली-भाँति जानता है कि यदि इस वर्ग का पूर्ण समर्थन प्राप्त करना है, तो उन्हें सत्ता के शीर्ष पर प्रतिनिधित्व देना एक रणनीतिक आवश्यकता बन जाता है।

परिवर्तन की इस लहर में एक और नाम अत्यंत तीव्रता से उभरा है, और वह है श्रेयसी सिंह का। वे एक युवा, शिक्षित और लोकप्रिय प्रत्याशी के रूप में देखी जा रही हैं। उनकी ख्याति केवल राजनीति तक सीमित नहीं है, अपितु अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में भी उन्होंने राष्ट्र का मान बढ़ाया है। उनके दिवंगत पिता दिग्विजय सिंह एक प्रतिष्ठित राजनीतिक परिवार से रहे हैं, जिससे उन्हें एक समृद्ध विरासत और राजनीतिक समझ विरासत में मिली है। यदि भारतीय जनता पार्टी महिला नेतृत्व को प्रोत्साहित करने और युवाओं के बीच अपनी पैठ बढ़ाने की योजना पर कार्य करती है, तो श्रेयसी सिंह एक अत्यंत प्रभावी विकल्प सिद्ध हो सकती हैं। बिहार के इतिहास में महिला मुख्यमंत्री का प्रयोग अत्यंत विरल रहा है, ऐसे में यह कदम न केवल राज्य की आधी आबादी को एक सशक्त संदेश देगा, बल्कि राजनीति के पारंपरिक ढर्रे को बदलने का एक साहसपूर्ण प्रयास भी माना जाएगा।

इन दो प्रमुख नामों के अतिरिक्त, राजनीतिक गलियारों में संजीव चौरसिया, जनक राम और धर्मशीला गुप्ता जैसे नामों की भी चर्चा है। संजीव चौरसिया का अपना एक समर्पित कार्यक्षेत्र और सामाजिक आधार है, वहीं जनक राम अनुसूचित जाति के प्रतिनिधित्व और अपनी सादगीपूर्ण कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। धर्मशीला गुप्ता का नाम भी सांगठनिक निष्ठा के कारण दौड़ में बना हुआ है। इन सभी नेताओं के अपने-अपने क्षेत्रीय प्रभाव हैं जो उन्हें इस महत्वपूर्ण पद की गरिमा के अनुकूल बनाते हैं। पार्टी के समक्ष सबसे बड़ी दुविधा यह है कि वह ऐसे नाम का चयन करे जो न केवल दल के भीतर निर्विवाद रूप से स्वीकार्य हो, बल्कि आम जनता के बीच भी विश्वास और आशा का संचार कर सके। दिल्ली की बैठकों का उद्देश्य मात्र एक नाम का चयन करना नहीं है, बल्कि एक ऐसी व्यापक कार्ययोजना तैयार करना है जो आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी को विजय के द्वार तक ले जा सके। पार्टी यह सुनिश्चित करना चाहती है कि नया मुख्यमंत्री न केवल लोकप्रिय हो, बल्कि उसमें प्रशासनिक दक्षता और राजनीतिक संतुलन बनाए रखने का धैर्य भी हो। बिहार का यह घटनाक्रम केवल प्रादेशिक सीमाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध राष्ट्रीय राजनीति से है। नीतीश कुमार का केंद्र की राजनीति में जाना यह स्पष्ट संकेत है कि राष्ट्रीय स्तर पर नए समीकरणों की रचना हो रही है। उनके हटने से बिहार में सत्ता का केंद्र पूरी तरह परिवर्तित हो जाएगा। अब तक की कार्यशैली में क्षेत्रीय दलों की मान्यताओं का सम्मान करना अनिवार्य था, किंतु अब भाजपा को अपनी नीतियों, योजनाओं और विकास के एजेंडे को स्वतंत्र रूप से लागू करने का ऐतिहासिक अवसर प्राप्त होगा। यह परिवर्तन प्रक्रिया जितनी सुगम दिखाई दे रही है, उतनी है नहीं। दल के भीतर भी विभिन्न वैचारिक समूह और क्षेत्रीय आकांक्षाएँ सक्रिय हैं। हाल ही में पटना की सड़कों पर सम्राट चौधरी के पक्ष में लगे और फिर हटाए गए विज्ञापनों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अंतिम सहमति की राह में अभी कुछ अवरोध शेष हैं। यह आंतरिक मंथन इस बात का प्रमाण है कि पार्टी कोई भी निर्णय लेने से पूर्व सभी पक्षों को संतुष्ट करना चाहती है।

पिछले दो दशकों से बिहार की सत्ता में जो स्थिरता देखी गई, वह अब एक नए मोड़ पर है। नीतीश कुमार का लंबा कार्यकाल राज्य में विकास और कानून व्यवस्था के लिए जाना गया, किंतु अब जनता एक नए दृष्टिकोण और आधुनिक सोच की प्रतीक्षा कर रही है। नया मुख्यमंत्री केवल एक प्रशासनिक प्रमुख नहीं होगा, बल्कि वह उस नई पीढ़ी की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब भी होगा जो रोजगार, तकनीकी विकास और बेहतर जीवन स्तर की मांग कर रही है। यह पहली बार है जब भारतीय जनता पार्टी अपने सामर्थ्य पर बिहार का नेतृत्व करेगी। यह उसके लिए जहाँ अपनी क्षमता सिद्ध करने का एक सुनहरा अवसर है, वहीं एक कठिन परीक्षा भी है। अब वह गठबंधन के साथियों पर अपनी विफलता का दोष मढ़ने की स्थिति में नहीं होगी।

सम्राट चौधरी की आक्रामकता हो या श्रेयसी सिंह का नवीन दृष्टिकोण, जो भी निर्णय लिया जाएगा वह बिहार के आने वाले दशकों की नियति तय करेगा। पार्टी नेतृत्व कभी-कभी पूर्णतः अप्रत्याशित चेहरे को सामने लाकर सबको चकित करने की प्रवृत्ति भी रखता है, जैसा कि हमने हाल के वर्षों में अन्य राज्यों में देखा है। ऐसे में किसी नए या कम चर्चित चेहरे की संभावना को भी नकारा नहीं जा सकता। अंततः, बिहार इस समय एक महान राजनीतिक संक्रमण काल से गुजर रहा है। यह संघर्ष केवल पदों का नहीं, बल्कि वैचारिक अधिष्ठान, सामाजिक न्याय और भविष्य की विकासोन्मुख राजनीति का संगम है। आने वाले कुछ दिन बिहार की राजनीति के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाएंगे, क्योंकि इन्हीं दिनों में यह तय होगा कि गंगा की इस पावन भूमि पर शासन का अगला सूर्य किस रूप में उदित होगा। पूरा राज्य और देश अब उस अंतिम निर्णय की प्रतीक्षा कर रहा है जो बिहार की सत्ता की नई दिशा और दशा को निर्धारित करेगा।

महेन्द्र तिवारी

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

डेथ सर्टिफिकेट न बनाने को लेकर ग्राम पंचायत सेक्रेटरी की शिकायत

मुख्यमंत्री पोर्टल व तहसीलदार से की वृद्धा ने शिकायत

महमूदाबाद-सीतापुर विकास खण्ड रामपुर मथुरा की ग्राम पंचायत सेमरी निवासिनी 60 वर्षीय वृद्धा अपने पति का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए दर दर की ठोकर खा रही है, वृद्धा का आरोप है कि ग्राम पंचायत सेक्रेटरी रिपोर्ट नही लगा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज महमूदाबाद तहसील पहुंचकर एसडीएम को संबोधित शिकायती पत्र महमूदाबाद के तहसीलदार को शिकायती पत्र दिया। वृद्धा रूपरानी ने बताया कि वह कई दिन से ब्लॉक रामपुर मथुरा के चक्कर लगा रही है, किन्तु ग्राम पंचायत सेक्रेटरी मिलते ही नही है, और जब मिलते है भी है तो मृत्यु प्रमाण पत्र सम्बन्धी कागजातों में रिपोर्ट लगाने में आनाकानी करते है। वृद्धा रूपरानी ने बताया कि उसके पति ब्रह्मादीन की मृत्यु 14 फरवरी 2016 में हो गई थी, जो परिवार रजिस्टर की नकल में दर्ज है, वृद्धा के पति पूर्व में स्थित महमूदाबाद कताई मिल में कर्मचारी थे, जिनकी मृत्यु उपरांत पति की पेंशन मिलना है, जो ऑनलाइन मृत्यु प्रमाण पत्र न बनने के कारण रुकी हुई है वृद्धा ने बताया कि वह असहाय है तथा उसके तीन पुत्रियां हैं जिनमें से एक पुत्री नेत्रहीन है और दो पुत्रियां शादी करने लायक हो गई है। उसने शिकायत की है कि ब्लॉक रामपुर मथुरा के ग्राम सेमरी के ग्राम पंचायत सेक्रेटरी रिपोर्ट नहीं लगा रहे हैं और बार-बार दौड़ा रहे हैं जिस कारण उसके पति का मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहा है। उसने बीडीओ रामपुर मथुरा को ऑनलाइन और एसडीएम महमूदाबाद को संबोधित शिकायती पत्र तहसील जाकर तहसीलदार को प्रार्थना पत्र देते हुए शिकायत की है और मांग की है कि उसके पति के मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने को लेकर सम्बन्धित अधिकारियों को आदेशित किया जाए।

कानपुर ब्लॉक से लगभग रोजाना लेट रही शताब्दी एक्सप्रेस, मुंबई एसी सुपरफास्ट समेत कई ट्रेनें कैंसिल

लखनऊ। कानपुर में गंगा नदी के पुल पर डाउनलाइन के गर्डर को बदलने के कारण रेलवे ने ब्लाक लिया है। इस ब्लाक के चलते शताब्दी एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों के रूट बदल गए हैं। शताब्दी एक्सप्रेस जैसी वीआइपी ट्रेन को उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल पर रास्ता ही नहीं मिल रहा है। मुरादाबाद होकर लखनऊ पहुंची यह ट्रेन 3:05 घंटे लेट हो गई। वहीं, रविवार को इसका अधिक असर पड़ेगा। मुंबई से आने वाली एसी सुपरफास्ट को कानपुर में निरस्त किया जाएगा। जबकि एलटीटी-सीतापुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस को तो साढ़े तीन घंटे कानपुर मे रोकने की तैयारी है। रेलवे 12 मई तक सुबह 9:30 से शाम 5:30 बजे तक मेगा ब्लाक लेकर गर्डर का बदलने का काम कर रहा है। हालांकि इसी स्थान पर आठ साल पहले भी करीब एक माह का ब्लाक लेकर गर्डर बदले गए थे। इस काम के कारण आठ घंटे तक डाउन लाइन पूरी तरह बंद रहती है। जबकि अप लाइन से ट्रेनों का संचालन होता है। शताब्दी एक्सप्रेस को वाया मुरादाबाद चलाया जा रहा है। शनिवार को यह ट्रेन सुबह 6:10 बजे अपने सही समय पर लखनऊ के लिए रवाना हुई थी। लखनऊ दोपहर एक बजे की जगह शाम 4:05 बजे आ सकी। लखनऊ जंक्शन पर यात्री प्लेटफार्म नंबर छह पर ट्रेन का इंतजार करते रहे। लखनऊ से ट्रेन डेढ़ घंटे की देरी से शाम पांच बजे रवाना हो सकी। शुक्रवार को भी यह ट्रेन डेढ़ घंटे और गुरुवार को एक घंटे लेट आयी थी। इसी तरह वीरांगना लक्ष्मी बाई झांसी जंक्शन-लखनऊ इंटरसिटी को गोविंदपुरी में निरस्त किया जा रहा है। आगरा-लखनऊ इंटरसिटी कानपुर में निरस्त हो रही है।

उत्तर प्रदेश में तीन IPS अधिकारियों का ट्रांसफर, प्राची सिंह को जिले की कमान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को लगातार मजबूत रखने के क्रम में योगी आदित्यनाथ सरकार आईपीएस अधिकारियों का लगातार तबादला कर रही है। बीते दिनों 12 आईपीएस अधिकारियों को पहली तैनाती दी गई तो शनिवार को तीन आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया। तीन में से दो अधिकारियों को जिले की कमान सौंपी गई है, जबकि एक को पुलिस महानिदेशक कार्यालय से अटैच किया गया है। एसपी संजीव सुमन को देवरिया से हटाया गया है। प्राची सिंह को एसपी अंबेडकरनगर और अभिजीत आर शंकर को देवरिया के पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात किया गया है। संजीव सुमन को पुलिस महानिदेशक मुख्यालय से सम्बद्ध किया गया है। अभिजीत आर शंकर इससे पहले अंबेडकरनगर के एसपी थे और प्राची सिंह 32वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ में सेनानायक थीं।

कैकेयी' के भव्य मंचन ने जीता दिल, देशभर में प्रदर्शन की उठी मांग

● मुंबई में शानदार प्रस्तुति, दर्शकों ने बताया 'अविस्मरणीय अनुभव '

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुंबई से विशेष रिपोर्ट- अंधेरी (पश्चिम) स्थित वेदा कुनबा थिएटर में 2 अप्रैल को अखिल भारतीय सांस्कृतिक संस्थान, लखनऊ (ABSS थियेटर ग्रुप-मुंबई) द्वारा प्रस्तुत नाटक 'कैकेयी' का भव्य मंचन दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ गया। यह प्रस्तुति केवल एक नाटक नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और विचारोत्तेजक अनुभव बनकर उभरी। प्रख्यात रंगकर्मी राजेंद्र तिवारी के लेखन एवं निर्देशन में तैयार इस नाटक ने पारंपरिक धारणा से हटकर 'कैकेयी' के व्यक्तित्व को नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया। नाटक में उनके त्याग, संघर्ष और मातृत्व के भाव को बेहद संवेदनशीलता के साथ मंचित किया गया, जिसने दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर दिया।

कुमार मंजुल के संगीत निर्देशन ने नाटक के हर दृश्य को जीवंत बना दिया। सशक्त संवाद, प्रभावशाली पटकथा, सटीक प्रकाश व्यवस्था और बैकग्राउंड स्कोर ने ऐसा समां बांधा कि दर्शक अंत तक अपनी सीटों से जुड़े रहे। भावनात्मक दृश्यों में जहां आंखें नम हुईं, वहीं कई मौकों पर तालियों की गूंज ने कलाकारों का उत्साह दोगुना कर दिया।

कलाकारों ने बांधा समां

नाटक में गीतांजलि चव्हाण, डिंपल नेगी, मोनिका भारती, देविका पटेल, अक्षयारिका दास, प्रिया पाचोरी, प्रतिक्षा निर्मल, कशिश रीना सिंह, शैरन मथायास, मनी कुमार, जय कुमार, कर्ण, कृष्णा, नकुल शर्मा, संदीप मिश्रा, ध्रुवा खानचंदानी, धैर्य खानचंदानी, प्रेम अग्रवाल, दीपक यादव, अर्श, साकेत राय और प्रांजल जेटली सहित सभी कलाकारों ने शानदार अभिनय किया। विशेष रूप से कैकेयी, मंथरा और दशरथ के दृश्यों ने दर्शकों के दिल को गहराई से छू लिया।

तकनीकी टीम का भी रहा अहम योगदान बैकस्टेज टीम की सटीक लाइटिंग, साउंड इफेक्ट्स और बेहतरीन समन्वय ने प्रस्तुति को और अधिक प्रभावशाली बना दिया।

देशभर में प्रदर्शन की मांग संस्था के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम प्रमुख अश्वनी कुमार शुक्ला ने बताया कि नाटक को मिली अभूतपूर्व सराहना के बाद दर्शकों ने इसकी पुनः प्रस्तुति और देश के विभिन्न शहरों में मंचन की जोरदार मांग की है। कार्यक्रम के अंत में दर्शकों ने खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट से पूरी टीम का अभिनंदन किया, जो इस बात का प्रमाण था कि 'कैकेयी' ने हर दर्शक के दिल में अपनी खास जगह बना ली है।

'समाज सुधार में योगदान अविस्मरणीयट', केशव प्रसाद मौर्य ने ज्योतिबा फुले को किया नमन

उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य ने ज्योतिबा फुले को श्रद्धांजलि दी।

फुले का समाज सुधार, शिक्षा में योगदान अविस्मरणीय।

नारी सशक्तिकरण और सामाजिक समता के लिए समर्पित।

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को अपने सरकारी आवास पर समाज सुधारक एवं शिक्षाविद महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर नमन किया। उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज सुधार के लिए महात्मा ज्योतिबा फुले का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने सामाजिक समता, शिक्षा के प्रसार और नारी सशक्तिकरण के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उनके विचार एवं कार्य आज भी समाज को सही दिशा प्रदान करते हैं। वे एक प्रखर विचारक, लेखक और क्रांतिकारी दार्शनिक भी थे। आज के समय में उनके आदर्शों को आत्मसात कर ही एक समरस और सशक्त समाज का निर्माण संभव है।

न्यायालय के आदेश पर दिगंबर जैन मंदिर की जमीन कब्जा मुक्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर कस्बे के वार्ड नई बाजार कोतवाली रोड़ स्थित दिगंबर जैन मंदिर की जमीन गाटा संख्या 103 जो राजस्व अभिलेखों में दर्ज है, पर न्यायालय लघुवाद सीतापुर में कई वर्षों से विवाद चल रहा था मामले की गहन सुनवाई के बाद गत 12 जनवरी को न्यायालय ने मंदिर के पक्ष में फैसला सुनाया, न्यायालय के आदेश के फैसले के उपरांत मंदिर पक्ष द्वारा कब्जे की कार्यवाही शुरू की गई। न्यायालय ने मंदिर को जमीन का भौतिक कब्जा दिलाने हेतु आदेश पारित किया है। न्यायालय के आदेश अनुपालन में गत दिनांक 7 मार्च को स्थानीय पुलिस और मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में वीडियोग्राफी करवाते हुए एवं गवाहों के समक्ष मंदिर को कब्जा दिला दिया गया, विदित हो कि जिसकी रिपोर्ट भी न्यायालय को प्रेषित की गई है, उच्च न्यायालय से जीत के बाद विपक्षी दल द्वारा इस आदेश के विरुद्ध उच्च न्यायालय लखनऊ बेंच में अपील दाखिल की गई थी, जिस पर उच्च न्यायालय ने मामले के तत्वों और मेरिट का बारीकी से अध्ययन करने के बाद दिनांक 25 3 2026 को मंदिर के पक्ष में फैसला सुनाया और विपक्षीगण की आपत्तियों को खारिज कर दिया। अफवाहों का खंडन करते हुए मंदिर प्रबंधन समिति का कहना है कि वर्तमान में महमूदाबाद नगर में कुछ सामाजिक तत्वों द्वारा इस जमीन को लेकर तरह-तरह की भ्रातिंया और अफवाहें फैलाई जा रही हैं, जो पूरी तरह निराधार और गलत है समिति स्पष्ट करती है कि मंदिर अपनी जमीन पर पूरी तरह से काबिज और दाखिल है जमीन का कब्जा न्यायालय, पुलिस प्रशासन और मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में वैधानिक रूप से प्राप्त किया गया है, उच्च न्यायालय ने भी मेरिट के आधार पर मंदिर के हक में मोहर लगा दी है, जैन समाज के अध्यक्ष प्रदीप जैन ने सम्मानित आम जनमानस से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और केवल प्रमाणित तथ्यों पर ही विश्वास करें। जैन समाज के प्रयासों से कई वर्षों बाद न्यायालय के आदेश पर दिगंबर जैन मंदिर की जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त करा दिया गया है। कोतवाली रोड पर स्थित अवैध कब्जे को न्यायालय ने हटाने का आदेश दिया, जिससे जैन समाज में खुशी की लहर है। न्यायालय को जैन समाज द्वारा बधाई भी दी गई है।

लखनऊ में पुलिस ने कब्र की खुदाई कराकर निकाला सास का शव, बहू की करतूत जान दंग रह गए लोग

● बहू ने प्रेम प्रसंग में बाधा बनी सास को जहर दिया।

● मजिस्ट्रेट की अनुमति से कब्र खोदकर शव बाहर निकाला गया।

● आरोपी बहू हिरासत में, भांजे की तलाश जारी है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

काकोरी (लखनऊ)। काकोरी के इब्राहिम गंज में प्रेम प्रसंग में बाधा बनी सास को बहु ने रोटी में जहर देकर मार दिया था। मामले में जांच पड़ताल के लिये पुलिस ने मजिस्ट्रेट से अनुमति मिलने के बाद शनिवार को एसीपी काकोरी की मौजूदगी में कब्र की खुदाई कराकर शव को बाहर निकलवाया गया। निकाले गए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया ।

इब्राहिम गंज गांव निवासी मनोज रावत की पत्नी शालिनी रावत ने भांजे से प्रेम प्रंसग के चलते बाधा बन रही सास शांति देवी को बीती 5 अप्रैल को रात के खाने में रोटी में जहर मिला कर दिया था। जहर मिली रोटी खाने से सास की तबीयत बिगड़ गई। जिसकी इलाज के दौरान बीती 6 अप्रैल को मौत हो गई थी। परिजनों ने शांति देवी का शव खेत मे दफना कर अंतिम संस्कार कर दिया था। परिवार के एक नाबालिग सदस्य ने जहर देने की बात का खुलासा किया। जिसके बाद सख्ती पूछताछ के बाद आरोपी बहु शालिनी रावत ने घटना को स्वीकार कर लिया। मामले में पुलिस ने मनोज रावत की तहरीर पर शालिनी रावत व भांजे करन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी थी ।जांच पड़ताल में पुलिस ने जहर से मिली बची रोटी भी बरामद कर ली थी।

शनिवार को मजिस्ट्रेट से अनुमति मिलने के बाद एसीपी काकोरी शकील अहमद के मौजूदगी में पुलिस ने करीब 6 दिन पूर्व खेत मे दफनाई गई शांति देवी के शव को कब्र की खुदाई करा बाहर निकलवाया। 6 दिन पुराने शांति देवी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इस दौरान मनोज रावत समेत परिजन मौजूद रहे।

एसीपी काकोरी शकील अहमद ने बताया कि मामले में आरोपी बहु शालिनी रावत हिरासत में है जबकि आरोपी भांजे करन की तलाश की जा रही है। वही एसीपी ने बताया कि पोस्टमार्टम में जहर की पुष्टि नही होगी। जहर की पुष्टि के लिये बिसरा को फोरेंसिक लैब भेजा जाएगा। जिसके बाद जहर की पुष्टि होगी।

ग्रामीण एकत्र रहे, गांव में रही दहशत

मृतिका शांति देवी की कब्र की खुदाई शनिवार देर शाम ग्रामीणों की मदद से फावड़े से कराई गई। इस दौरान खेत के आस पास ग्रामीण एकत्र रहे। घटना को लेकर ग्रामीण आपस मे चर्चा करते रहे। वही गांव में दहशत बनी रही।

2027 का चुनाव भी साथ मिलकर लड़ेगी सपा-कांग्रेस? अखिलेश यादव ने खुद गठबंधन को लेकर क्लियर कर दिया रुख

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन के बरकरार रहने की बात दोहराई है। सपा प्रमुख ने कहा कि मौजूदा समय में जो गठबंधन है, वही विधान सभा चुनाव में भी काम करेगा, पार्टी किसी नए दल से गठबंधन नहीं करेगी। शनिवार को जयपुर में विजन इंडिया कार्यक्रम के बाद पत्रकार वार्ता में सपा प्रमुख ने कहा कि हमारी पार्टी ने अलग-अलग समय में गई पार्टियों से गठबंधन किया है और हमारे पास गठबंधन का काफी अनुभव है। इंडी गठबंधन यूपी में और मजबूत होगा।

एसआइआर पर क्या बोले सपा प्रमुख?

एसआइआर के प्रश्न पर कहा कि भाजपा ने फर्जी दस्तखत करके फार्म-7 के जरिए सपा के वोटरों का वोट काटने का षड्यंत्र किया। पीडीए प्रहरियों ने इस फर्जीवाड़े को पकड़ लिया, परंतु चुनाव आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की। अभी सपा हर बूथ पर जांच करेगी कि कहीं पार्टी के वोट के साथ कोई गड़बड़ी तो नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में नशे का कारोबार बढ़ रहा है। हर जिले में गांजा पकड़ा जा रहा है। अगर यह स्थिति रही तो आने वाले समय में ओटीटी पर गांजागंज और धुंआ-धुंआधार जैसी फिल्में भी आ जाएगी। एक सवाल के जवाब में कहा कि भाजपा विरासत की दुश्मन है। भाजपा सरकार ने हमारी विरासत मणिकर्णिका घाट को ध्वस्त करा दिया। अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा को तोड़ दिया। भाजपा विरासत और इतिहास को मिटाकर अपना इतिहास बनाना चाहती है। जनता इस बार हराकर इनको जवाब देगी।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय धरैंचा में शिक्षा चौपाल सम्पन्न

● अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाएं और उनके भविष्य को सुधारें:- पवन सिंह अध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर संकुल धरैंचा के पूर्व माध्यमिक विद्यालय धरैंचा में संकुल शिक्षा चौपाल का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता एस आर जी करुणेश मिश्र ने की जबकि कार्यक्रम में ग्राम प्रधान राम किशोर को मुख्य अतिथि बनाया गया कार्यक्रम का सफल संचालन नोडल संकुल शिक्षक काज़िम हुसैन ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित करके किया गया इसके पश्चात विद्यालय की बच्चियों ने सरस्वती वंदना तथा स्वागत गीत पढ़ कर विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ इसके बाद सभी अतिथियों का माल्यार्पण तथा बैच लगाकर करके स्वागत किया गया। कार्यक्रम में एस आर जी करुणेश मिश्र के अतिरिक्त नोडल ए आर पी संजीव पटेरिया,जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ खैराबाद के अध्यक्ष नरेश मिश्र प्राथमिक के पवन कुमार सिंह मंत्री ज़हीर आलम तथा प्राथमिक के अमित त्रिपाठी वरिष्ठ उपाध्यक्ष काज़िम हुसैन,संकुल शिक्षक हसन जमाल रिज़वी मुदित पाण्डेय एजाज अहमद फ़ैजुल हसन तथा आयोजक अंजू राजवंशी तथा ग्राम प्रधान ने संबोधित किया।

इस अवसर पर करुणेश मिश्र ने कहा कि आप सभी लोग यह तय करें कि अपने आस पास के सभी छोटे बच्चों का प्रवेश सरकारी विद्यालय में ही करवाएं क्योंकि यह आज की आवश्यकता है श्री मिश्र ने कार्यक्रम के बारे में कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से नई स्फूर्ति प्राप्त होती है। अध्यक्ष नरेश मिश्र एवं पवन कुमार सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि आज का कार्यक्रम बहुत ही लाभप्रद और सारगर्भित रहा नेता द्वय ने कहा कि सरकार सरकारी विद्यालयों में हर प्रकार की सुविधा दे रही है कि हमारे बच्चे पढ़ लिखकर आगे बढ़ें लेकिन हम स्वार्थ वश अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजते ही नहीं है जिससे बच्चे कमज़ोर रहते हैं। ए आर पी संजीव पटेरिया ने कहा कि शिक्षा के बिना जिंदगी अधूरी है इस लिए अपने बच्चों को शिक्षा अवश्य दिलाएं और अपने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजे। इसी अवसर पर मार्च माह में सबसे अधिक उपस्थिति वाले बच्चों को तथा ईको क्लब में अच्छा कार्य करने वाले बच्चों को पुरस्कार भी दिया गया जबकि जूनियर हाईस्कूल के बच्चे जो विज्ञान प्रतियोगिता में उत्तीर्ण हुए थे उन्हें विज्ञान एक्सपोजर विजिट के लिए लखनऊ भेजा गया था उसमें संकुल धरैंचा के 12 बच्चे भी शामिल थे जिन्हें आज मेडल पहना कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम आयोजक अंजू राजवंशी प्रधानाध्यापिका तथा नोडल संकुल शिक्षक काज़िम हुसैन ने अतिथियों तथा उपस्थित अभिभावकों को उपहार देकर सम्मानित किया।कार्यक्रम को सफ़ल बनाने में विद्यालय स्टाफ में फिरोजा बानो, प्रियंका वर्मा, रोली तिवारी, तथा संकुल शिक्षकों ने सहयोग प्रदान किया लेकिन विद्यालय स्टाफ ने बच्चों को तैयार करके विभिन्न प्रकार के गीत, नाटक आदि की प्रस्तुति करवाई जिसमें अनपढ़ बीवी, ईको क्लब एवं पर्यावरण संरक्षण पर आधारित नाटक, लिलिपुट डांस,बेटी हमारा गौरव,जुंबा डांस आदि की प्रस्तुतिकरण करवाई जिसको सभी ने सराहा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी विद्यालयों के बच्चों शिक्षकों अभिभावकों को जलपान एवं बच्चों को भोजन भी करवाया गया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान राम किशोर ने घोषणा करते हुए कहा कि यदि किसी प्रकार की ग्रांट पंचायत को मिली तो इस विद्यालय के जिन कक्षा कक्षों में टायलीकरण नहीं हुआ है उसे पूर्ण करवा दूंगा।अन्त में अंजू राजवंशी ने आभार व्यक्त किया और राष्ट्रीय गान के बाद कार्यक्रम के समापन की घोषणा कर दी गई।

बच्चों को संस्कारवान बनाने में शिक्षक शिक्षिकाओं की अहम भूमिका: कुंवर दिव्यदर्शी

● श्रद्धा मांटेसरी स्कूल बिसवा का परीक्षाफल एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम संपन्न।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवा (सीतापुर) श्रद्धा माण्टेसरी स्कूल दुर्गापुरी कालोनी सत्तिनपुरवा बिसवां का हिन्दी मीडियम का परीक्षाफल एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिविल जज बिसवां कुवंर दिव्यदर्शी, बिसवा बार एसोसिएशन बिसवा सचिव नीरज कुमार श्रीवास्तव एड ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि सिविल जज कुँवर दिव्यदर्शी ने कहा कि बच्चों को शिक्षित करने के साथ ही साथ संस्कारवान बनाने विद्यालय परिवार के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का अहम योगदान रहता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय के बच्चों की प्रगति देखकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि विद्यालय परिवार बच्चों के उज्जवल भविष्य के निर्माण के लिए सजगता के साथ शिक्षा प्रदान कर रहा है। सभी को बहुत बहुत बधाई एवं बच्चों को आशीर्वाद।

विद्यालय प्रबंधक प्रमोद कुमार श्रीवास्तव एड.एवं सह प्रबंधक अरुणेश कुमार श्रीवास्तव एड.के द्वारा स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। सिविल जज बिसवां कुंवर दिव्यदर्शी सहित सभी अतिथियों द्वारा द्वारा क्लास में प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम स्थान पाने वाले बच्चों को पुरस्कार,परीक्षाफल एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के सर्वाधिक अंक एवं प्रथम,द्वितीय,तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को शील्ड एवं अन्य बच्चों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के सम्मानित आचार्य प्रेम शंकर बाजपेई द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।

विद्यालय के डायरेक्टर अरूणेश श्रीवास्तव, अध्यापिकाएं रुची वर्मा,पूर्णिमा मिश्रा,अंजनी यादव, सुनीता यादव, प्रिया वर्मा, शिवानी सिंह, प्रीती यादव ने आए हुए मुख्य अतिथि सिविल जज कुँवर दिव्यदर्शी,बिसवां बार एसोसिएशन सचिव नीरज श्रीवास्तव एडवोकेट,बिसवां बार एसोसिएशन अध्यक्ष राज किशोर यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष कठेरिया एड, उपाध्यक्ष इंतिखाब आलम सिद्दीकी, कोषाध्यक्ष अनमोल मौर्या एड,जितेंद्र कुमार मिश्रा, कौशल किशोर वर्मा,जितेन्द्र भार्गव आदि का बैज लगाकर एवं माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

विद्यालय परिवार के डायरेक्टर अरूणेश श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने सिविल जज बिसवां कुंवर दिव्यदर्शी, बिसवा बार एसोसिएशन अध्यक्ष राज किशोर यादव एवं सचिव नीरज कुमार श्रीवास्तव, संतोष कठेरिया,इंतिखाब आलम सिद्दीकी, प्रबंधक प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, जितेन्द्र मिश्रा, अनमोल कन्हैया, जितेन्द्र भार्गव, कौशल वर्मा, अमरेन्द्र श्रीवास्तव आदि अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार के प्रमोद कुमार श्रीवास्तव एड एवं अरुणेश श्रीवास्तव एड ने अतिथि रजनीकांत दीक्षित,प्रभाष को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती प्रियंका श्रीवास्तव एवं उप प्रधानाचार्या श्रीमती अणिमा श्रीवास्तव ने विद्यालय परिवार की तरह से सभी सम्मानित अतिथियों के प्रति बहुत-बहुत आभार व्यक्त करते हुए साधुवाद दिया।

यूपी में घर-घर जाकर समस्याओं का निस्तारण करेंगे विद्युत अधिकारी, 7 दिनों तक चलेगा अभियान, CM योगी का सख्त निर्देश

● गलत बिलिंग पर तुरंत जांच, हेल्पलाइन 1912 की समीक्षा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्मार्ट बिजली मीटर को लेकर उपभोक्ताओं की शिकायतों पर योगी सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के निर्देश के बाद यूपी पावर कॉरपोरेशन लि. ने पूरे प्रदेश में व्यवस्था सुधारने और शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए व्यापक कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके लिए वह जल्द ही 7 दिनों का विशेष अभियान चलाएगा। इस अभियान के तहत अधिकारी घर-घर जाकर उपभोक्ताओं की समस्याओं को जानेंगे और उसका यथाशीघ्र समाधान करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद उप्र. पावर कारपोरेशन लि. के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने बैठक कर जिम्मेदार अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायतों का प्रतिदिन निस्तारण किया जाए। इसके साथ ही पूरे प्रदेश में 7 दिन का विशेष अभियान चलाने का भी निर्णय लिया है। इस अभियान के तहत स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं से सीधे संपर्क कर उनकी समस्याओं के बारे में जानेगा और उसका यथाशीघ्र समाधान करेगा।

हर अधिकारी को सौंपी जाएगी जिम्मेदारी

यूपी पावर कारपोरेशन लि. की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक, इस अभियान में सभी अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। किसी अधिकारी को 10 से 20 उपभोक्ताओं की तो किसी अधिकारी इससे भी ज्यादा उपभोक्ताओं की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इसमें कॉर्पोरेशन एवं डिस्कॉम के अधिकांश कार्मिकों की ड्यूटी लगाने के भी निर्देश दिए हैं। इस अभियान के जरिये अधिकारी स्मार्ट मीटर और हेल्प लाइन नम्बर 1912 पर मिलने वाली शिकायतों का निदान करेंगे। इसके बाद उस शिकायत का फीडबैक लेकर विभाग को अवगत कराएगा।

स्मार्ट मीटर से जुड़ी सभी शिकायतों का रोजाना निस्तारण

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद अध्यक्ष डॉ. गोयल ने लखनऊ स्थित शक्ति भवन में उप्र. पावर कारपोरेशन के प्रबन्ध निदेशक पंकज कुमार, डिस्काम के प्रबंध निदेशक और वरिष्ठ अधिकारी के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि स्मार्ट मीटर से जुड़ी सभी शिकायतों का रोजाना निस्तारण किया जाए। डिस्कॉम स्तर पर इसके लिए बनाए गये कंट्रोल रूम और मॉनिटरिंग सेल लगातार समीक्षा करें। गलत बिलिंग पर जिम्मेदारी तय कर होगी कार्रवाई

इसके साथ ही डॉ. आशीष गोयल ने निर्देश दिया कि ओवर बिलिंग या गलत बिल नहीं बनने चाहिए। अगर उपभोक्ता गलत बिलिंग की शिकायत करता है तो तत्काल जांच करके जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाए। साथ ही गलत बिल तत्काल ठीक किया जाए। इसमें हर स्तर पर सावधानी बरती जानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं की समस्याओं को तत्काल हल कराया जाए। साथ ही हेल्पलाइन नम्बर 1912 की लगातार समीक्षा करें। साथ ही इस पर आने वाली शिकायतों खासकर स्मार्ट मीटर से संबंधित सूचना और शिकायतों का उसी दिन निस्तारण किया जाए। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डॉ. आशीष गोयल ने कहा कि जिन उपभोक्ताओं के कनेक्शन निगेटिव बैलेंस के कारण स्वतः कट गए हैं, उनसे संपर्क कर यह समझने का प्रयास किया जाएगा कि उन्होंने रिचार्ज क्यों नहीं कराया। यह भी समझा जाएगा कि उन्हें किस तरह की समस्या आ रही है। साथ ही जिन उपभोक्ताओं के रिचार्ज कराने के बावजूद कनेक्शन नहीं जुड़ा है, उनके मामलों की भी गहन जांच कर तत्काल समाधान किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

गोपालगंज में जदयू संगठन की मजबूती और विस्तार के लिए जिला अध्यक्ष ने किया भ्रमण- प्रमोद कुमार पटेल

गोपालगंज, गोपालगंज जिले में जनता दल यूनाइटेड पार्टी के संगठन की मजबूती और संगठन विस्तार के लिए जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार पटेल ने जिल मे किया भ्रमण और पार्टी के पुराने एवं वरिष्ठ साथियों के साथ किया बैठक श्री पटेल ने कुचायकोट विधानसभा क्षेत्र में दर्जनों गांवों में जनसंपर्क कर जन संवाद किया और मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के द्वारा 20 वर्षों में किए गए विकास और जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी इस अवसर पर जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार पटेल के साथ पार्टी के नेता उमाशंकर शर्मा, राधेश्याम साहनी, हरिश्चंद्र प्रसाद पटेल, शैलेश कुमार तिवारी, चंद्रिका प्रसाद कुशवाहा, सुरजी यादव, दुर्गा प्रसाद गोड, संजीत कुमार राम, मुकेश प्रसाद सिंह कुशवाहा, अनिरुद्ध प्रसाद कुशवाहा के साथ अन्य लोग उपस्थित थे !

डूबे मछुआरे का दो दिन बाद शव उतराया मिला शव

गोपीगंज। रामपुर गंगा घाट पर गुरुवार को मछली पकड़ने के दौरान डूबे मछुआरे रामराज निषाद का शव शनिवार को सुबह जहांगीराबाद घाट के पास उतराया मिला,मौके पर पहुची पुलिस शव को कब्जे में ले लिया। रामपुर घाट निवासी रामराज गुरुवार को देर शाम उस समय गंगा मे डूब गया था जब जाल निकालने के लिए गंगा मे डुबकी लगा रहा था, काफी देर बाद बाहर न निकलने पर स्थानीय गोताखोर तलाश में जुटे थे, शुक्रवार को एनडीआरएफ की टीम भी लगी थी लेकिन प्रयास सफल नही हुआ था। शनिवार को जहांगीराबाद घाट के पास शव उतराया देख उसे बाहर निकाल लिया गया। शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

गोपालगंजः शहादत दिवस पर स्व0 महेश प्रसाद नारायण शर्मा को श्रद्धांजलि

गोपालगंज (बिहार)– समाहरणालय परिसर में आज स्व0 महेश प्रसाद नारायण शर्मा, भूतपूर्व जिला पदाधिकारी गोपालगंज, के शहादत दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी श्री पवन कुमार सिन्हा ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में अपर समाहर्ता श्री राजेश्वरी पाण्डेय, पंचायती राज पदाधिकारी श्री धर्मेंद्र कुमार तथा सामान्य शाखा प्रभारी श्री अजय कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। सभी ने स्व0 शर्मा के योगदान और उनके साहसिक कार्यों को याद करते हुए उन्हें नमन किया। श्रद्धांजलि सभा के दौरान वक्ताओं ने कहा कि स्व0 महेश प्रसाद नारायण शर्मा ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ किया, जो सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

महुआ वृक्षारोपण से छात्रों को किया जागरूक

भदोही। उच्च प्राथमिक विद्यालय कंसापुर में शिक्षक अशोक कुमार गुप्ता द्वारा वृक्षारोपण अभियान के 3104वें दिन महुआ का पौधा लगाया गया। इस दौरान छात्रों को महुआ के पर्यावरणीय, आर्थिक व औषधीय महत्व के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि महुआ ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है और मृदा संरक्षण व पर्यावरण संतुलन में अहम भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में कई लोगों ने पौधारोपण में सहयोग किया।

इस्लामाबाद मीटिंग के बाद चीन का बड़ा खेल, तेहरान में सैकड़ों टन बम और मिसाइल!

चीनी कंपनियां ईरान को ड्यूल यूज़ टेक्नोलॉजी देती रही

● चीन और ईरान के बीच ये जो तकनीकी सहयोग है यह पहले से ही रहा है। यह नया नहीं है। सूत्रों का यह भी कहना है कि चीनी कंपनियां ईरान को ड्यूल यूज़ टेक्नोलॉजी देती रही है।

● जिससे ईरान जो है वो अपने हथियार और नेविगेशन सिस्टम को और भी ज्यादा बेहतर बना सके और यह बेहतर बनाता आया भी है। लेकिन अगर सीधे हथियार सिस्टम ट्रांसफर होता है तो यह मदद का एक बिल्कुल ही नया स्तर होगा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ईरान, अमेरिका, इजराइल जंग में अब बता दें कि चाइना की एंट्री हो गई है और इस दावे ने पूरी दुनिया को इस वक्त चौंका दिया है, हैरान कर दिया है। बता दें कि इस्लामाबाद में बातचीत हो रही है अमेरिका और ईरान के बीच में लेकिन दूसरी तरफ की जो कहानी है वो सबसे ज्यादा हैरान कर देने वाली है। सीज फायर जरूर हुआ है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि ईरान अपने हाथ में हाथ रखकर चुप बैठा रहेगा। इस टाइम को ईरान अपनी सैन्य ताकत को और भी ज्यादा मजबूत करने में जुटा हुआ है। अब जो खबर सामने आई है उसके मुताबिक युद्ध विराम के बीच ईरान खुद को और भी ज्यादा मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। जो खुफिया जानकारी सामने आई है उससे यह पता चला है कि चाइना अगले कुछ हफ्तों में ईरान को नए एयर डिफेंस सिस्टम देने की तैयारी कर रहा है। खुफिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया, यह भी दावा किया गया है कि ईरान सीज फायर का फायदा उठाकर विदेशी दोस्तों की मदद से अपने हथियारों का जखीरा भरना चाहता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन हथियारों में आपको बता दें कि सीधे नहीं बल्कि किसी तीसरे देश के रास्ते ईरान तक पहुंचाने की रणनीति बनाई जा रही है। योजना बनाई जा रही है और उस पर काम किया जा रहा है ताकि चीन की भूमिका बिल्कुल भी सामने ना आए। यानी ऊपर से न्यूट्रल रहने की बातचीत हो रही है और अंदर ही अंदर तैयारी कुछ और ही चल रही है।

सूत्रों के मुताबिक बता दें कि बीजिंग सिस्टम को ट्रांसफर करने की तैयारी कर रहा है। वे कंधे से दागे जाने वाले एंटी एयर मिसाइल सिस्टम भेजने की तैयारी कर रहा है। जिन्हें मैनपड्स कहा जाता है। ये ऐसे हथियार होते हैं जो कम ऊंचाई पर उड़ने वाले फाइटर जेट्स और हेलीकॉप्टर के लिए बेहद खतरनाक साबित होते हैं। यह बताया गया कि पांच हफ्तों तक चले युद्ध में ऐसे सिस्टम नीचे उड़ने वाले अमेरिकी एयरक्राफ्ट के लिए एक बड़ा खतरा भी साबित हुए थे और इसी के जरिए उन्हें टारगेट किया गया था। और अगर सीज फायर टूटता है तो यही हथियार चाइना का यही हथियार एक बार फिर अमेरिका और इजराइल के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आएगा। इस बीच बता दें कि एक और बड़ा दावा भी सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह बताया गया कि हाल ही में जिस अमेरिकी स्1-15 फाइटर जेट को मार गिराया था उसे एक हैंड हेल्ड हीट स्किंग मिसाइल से निशाना बनाया गया था। हालांकि बता दें कि यह साफ बिल्कुल भी नहीं हो पाया है। पुष्टि नहीं हो पाई है कि वो

सिस्टम चीन में बना था या फिर नहीं। लेकिन अगर ऐसा साबित होता है तो यह बीजिंग की सीधी भागीदारी की ओर साफ-साफ इशारा करता है। दरअसल बता दें कि चीन और ईरान के बीच ये जो तकनीकी सहयोग है यह पहले से ही रहा है। यह नया नहीं है। सूत्रों का यह भी कहना है कि चीनी कंपनियां ईरान को ड्यूल यूज़ टेक्नोलॉजी देती रही है। जिससे ईरान जो है वो अपने हथियार और नेविगेशन सिस्टम को और भी ज्यादा बेहतर बना सके और यह बेहतर बनाता आया भी है। लेकिन अगर सीधे हथियार सिस्टम ट्रांसफर होता है तो यह मदद का एक बिल्कुल ही नया स्तर होगा। अब इस पूरे मामले का एक कूटनीतिक एंगल भी सामने आया है। दरअसल बता दें कि अगले महीने जो है बीजिंग में ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात होने की उम्मीद है। ऐसा रिपोर्ट में दावा किया गया है।

ऐसे में यह जो रिपोर्ट सामने आई है यह उस बैठक पर भी साया डाल सकती है। वाइट हाउस ने भी यह संकेत दिया है कि हाल ही में ईरान सीज फायर बातचीत के दौरान अमेरिका और चीन के बीच में एक हाई लेवल [संगीत] बातचीत हुई थी। इंटेलिजेंस से जुड़े सूत्रों का यह मानना है कि चीन इस जंग में खुलकर कूदने का जोखिम बिल्कुल भी नहीं लहना चाहता है। उसे यह पता है कि अमेरिका और जो इजराइल है यह इसके खिलाफ होगा। सीधे टक्कर में जीतना आसान नहीं है।

इसलिए बीजिंग जो है वो एक अलग ही रणनीति पर काम कर रहा है। इस वक्त ऊपर से वो न्यूट्रल रहने की कोशिश कर रहा है और अंदर ही अंदर ईरान के साथ अपने रिश्तों को वो मजबूत कर रहा है। ईरान को यह खुलकर मदद कर रहा है। इसके पीछे एक बड़ा कारण यह भी है कि चीन जो है वो ईरान के तेल पर काफी हद तक निर्भर है। ऐसे में वह तेहरान को बिल्कुल भी नाराज नहीं कर सकता और खुद को उसका पक्का दोस्त भी साबित चाइना करना चाहता है। हालांकि जैसे ही यह रिपोर्ट सामने आई वाशिंगटन में चीनी दूतावास ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। इसे नजरअंदाज कर दिया है। प्रवक्ता ने यह भी कहा है कि चीन ने कभी भी इस लड़ाई में किसी भी पक्ष को हथियार नहीं दिए हैं। यानी कि इस दावे पर चीन की तरफ से रिएक्शन सामने आया है। ऐसे में आरोप बेबुनियाद है। उन्होंने यह कहा और यह सनसननी फैलाने की कोशिश की जा रही है।

भारत की न्यूक्लियर छलांग पर क्या बोला पाकिस्तान? हर तरफ हो रही चर्चा

काजमी ने यह भी दावा किया कि भारत का यह परमाणु कार्यक्रम अब उसे हर साल 300 परमाणु बम बनाने की ताकत देगा। हालांकि पाकिस्तान की बातों को वैसे भी कोई गंभीरता से नहीं लेता क्योंकि यह हकीकत इससे बिल्कुल अलग है।

भारत ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में जो कामयाबी हासिल की उसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। चीन से लेकर पाकिस्तान तक हर जगह भारत की इस उपलब्धि की चर्चा हो रही है। जहां एक तरफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे बड़ी वैज्ञानिक प्रगति माना जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान में इस खबर को लेकर मायूसी और बेचैनी भी साफ नजर आ रही है। पाकिस्तानी डॉन ने रिपोर्ट में माना कि भारत अब अपने न्यूक्लियर फ्यूल प्रोडक्शन के बेहद करीब पहुंच चुका है। डॉन ने लिखा कि भारत ने अपने स्वदेशी रिएक्टर के जरिए खुद का परमाणु ईंधन बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा लिया है। दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश अब 2047 तक अपनी परमाणु क्षमता को 100 गीगावाट तक ले जाने का लक्ष्य रख रहा है। अखबार ने पीएम मोदी के हवाले से बताया कि ये रिएक्टर अपनी खपत से ज्यादा ईंधन पैदा करने की ताकत रखता है। हालांकि डॉन ने जहां यह खबर छापी वहीं पाकिस्तान के आर्म्स कंट्रोल एडवाइजर जाहिर काजमी सोशल मीडिया पर अपना डर छिपा नहीं पाया।

काजमी ने एक तरह से रोते हुए भारत पर आरोप लगाए कि इस रिएक्टर की मदद से भारत अब परमाणु बम बनाने लायक प्लूटोनियम तैयार कर सकता है। काजमी का दावा है कि इस नए रिएक्टर के जरिए भारत अब इतनी बड़ी मात्रा में हथियार ग्रेड प्लूटोनियम बना पाएगा जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। काजमी ने यह भी दावा किया कि भारत का यह परमाणु कार्यक्रम अब उसे हर साल 300 परमाणु बम बनाने की ताकत देगा। हालांकि पाकिस्तान की बातों को वैसे भी कोई गंभीरता से नहीं लेता क्योंकि यह हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। पाकिस्तान में यह मायूसी इस वजह से भी है क्योंकि भारत ने ऐसा कारनामा कर दिखाया है जिसकी कल्पना पाकिस्तान के यहां की भी नहीं जा सकी। रही बात हकीकत की तो भारत का यह परमाणु कार्यक्रम मुख्य रूप से ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए है और दुनिया भर के बड़े परमाणु इंजीनियर्स ने भारत की इस स्वदेशी तकनीक की तारीफ भी की है। पाकिस्तान का यह डर दरअसल उसकी अपनी असुरक्षा का नतीजा है। वहीं अक्सर भारत की कामयाबी पर अक्सर चुप रहने वाली चीनी मीडिया ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी।

चीनी मीडिया सिवा ने अपने रिपोर्ट में लिखा कि भारत ने अपने परमाणु कार्यक्रम में एक मील का पत्थर छू लिया है। भारत का सबसे उन्नत और स्वदेशी तकनीक से डिजाइन किया गया रिएक्टर अब पूरी तरह सक्रिय होने की स्थिति में आ गया है। चीनी मीडिया ने माना कि भारत अब अपनी तीन चरणों वाले परमाणु कार्यक्रम के दूसरे और सबसे महत्वपूर्ण चरण में सफलतापूर्वक प्रवेश कर चुका है। और देखा जाए तो यह चीन के लिए भी एक संकेत है कि परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में भारत अब आत्मनिर्भरता की उस दहलीज पर खड़ा है जहां से उसे हराना मुश्किल होगा और आपको जानकर हैरानी होगी कि इस तकनीक के मामले में भारत अब दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जिनके पास ऐसी क्षमता है।

एमएस धोनी की मैदान पर कब होगी वापसी? कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने साफ कर दी तस्वीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्रेविस की वापसी हुई

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के 18वें मुकाबले में आज चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी मैदान पर नहीं पहुंचे। मुकाबला चेन्नई के होम ग्राउंड एमए चिदम्बरम स्टेडियम में खेला जा रहा है। ऐसे में फैंस को उम्मीद थी कि उन्हें माही के झलक देखने को मिलेगी। धोनी पिंडली की चोट से जूझ रहे हैं और इस सीजन कोई भी मैच नहीं खेले हैं। टॉस के दौरान चेन्नई के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने धोनी की चोट पर अपडेट दिया। साथ ही बताया कि उनकी मैदान पर कब वापसी हो रही है।

चेन्नई को पहली जीत की तलाश

टॉस हारने के बाद रुतुराज गायकवाड़ ने कहा, 'पिच थोड़ी सूखी लग रही है। टॉस को लेकर हम असमंजस में थे। हमारा टारगेट आज अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना, पहली जीत हासिल करना और अंक तालिका में जगह बनाना है। पिछले कुछ मैचों में भी हम यही कोशिश कर रहे हैं। जैसा कि मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया, हम हर विभाग में सुधार कर रहे हैं। बल्लेबाजी बहुत अच्छी चल रही है, बस कुछ अहम मौकों पर हम चूक गए हैं और हमें उन्हीं क्षेत्रों में सुधार करने की जरूरत है। '

गायकवाड़ ने कहा, 'सभी खिलाड़ी अच्छे मूड में हैं और खेलने के लिए उत्सुक हैं। टीम के संतुलन को देखें तो हम अपनी पूरी क्षमता से खेल रहे हैं। ब्रेविस की वापसी से हमें बहुत खुशी है, वह उत्साहित और तैयार हैं। मिडिल ऑर्डर भी मजबूत दिख रहा है। हमने मैट हेनरी की जगह गुरजपनीत सिंह को भी टीम में शामिल किया है। वह अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। '

वह होटल से सपोर्ट कर रहे

रुतुराज गायवाड़ से जब धोनी की के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'एमएस धोनी के बारे में पूछने वालों के लिए बता दूं कि वह होटल में बैठकर हमारा मैच देख रहे हैं और हमारा समर्थन कर रहे हैं। लेकिन हां, बहुत जल्द आप उसे मैदान पर खेलते हुए देखेंगे।' दिल्ली के खिलाफ मैच से पहले धोनी ने नेट्स में जमकर पसीना बहाया था। ऐसे में कयास लगाए जा रहे थे कि शनिवार को धोनी मैदान में उतर सकते हैं।

माया की निद्रा में प्रशासन भागीरथ बने सुदामाबिलुप्त हो रही .....

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पेज 1 की शेष खबर

सामाजिक तनाव की वजह भी बनी मनोरमा प्रदूषण और अतिक्रमण का असर सिर्फ पर्यावरण तक सीमित नहीं। आरोप है कि पिछले दिनों हरैंया थाना क्षेत्र के चफवा बाजार में मनोरमा से जुड़े विवाद के कारण साम्प्रदायिक हिंसा फैलते-फैलते बची। प्रशासन के 'हाथ-पांव फूल गए थे '। जब नदी मरेगी तो समाज भी बंटेगा – यह चेतावनी है।

कुआनो, रामरेखा का भी यही हाल मनोरमा अकेली नहीं। कुआनो नदी, रामरेखा नदी – सभी पौराणिक धाराएं विलुप्ति की कगार पर हैं। इन्हें एक 'भागीरथ' की जरूरत है। भागीरथ यानी वह जो गंगा को स्वर्ग से धरती पर लाया था। आज जरूरत ऐसे जन-भागीरथों की है जो इन नदियों में फिर से अविरल धारा लाएं।

नदियों को सफाई तथा स्वच्छ बनाने कीसरकार की योजनाएं कहां है

1. नमामि गंगेः मुख्यतः गंगा और सहायक नदियों पर फोकस। मनोरमा, कुआनो जैसी छोटी पौराणिक नदियां उपेक्षित।

2. अमृत सरोवरः तालाबों के जीर्णोद्धार की योजना है, पर नदी के कैचमेंट से नहीं जोड़ा गया।

3. मनरेगा गाद निकालने, चेकडैम बनाने के लिए पर्याप्त, पर जिले में इच्छाशक्ति नहीं।

4. *राज्य नदी संरक्षण निदेशालय*: कागज पर गठित, जमीन पर निष्क्रिय।

जीरो टॉलरेंस का दोहरा चेहरा दिखाई दे रहा है एक तरफ सरकार 'विरासत भी, विकास भी का नारा देती है। अयोध्या, काशी, मथुरा का विकास हो रहा है। पर राम के जन्म से जुड़ी पुत्रेष्टि यज्ञ की साक्षी मनोरमा मरणासन्न है। यह विरोधाभास है। 'सुदामा' का आरोप है कि भ्रष्टाचार के कारण नदियों के नाम पर आने वाला पैसा 'गर्भ में ही हजम' हो जाता है। यानी योजना बनने से पहले ही बंदरबांट। इसकी उच्च स्तरीय जांच करते हुए नदियों के नाम पर आए हुए धरो की उसूली की जाए अन्यथा भूख हड़ताल पर अपनी जान भी सामाजिक जीवन केलिए दे सकता हूं

प्रशासन का ढुलमुल रवैया क्यों

1. जवाबदेही का अभावः सिंचाई, ग्राम्य विकास, पंचायतीराज, प्रदूषण बोर्ड सबकी जिम्मेदारी, पर जवाबदेही किसी की नहीं।

2. मॉनिटरिंग नहींः ड्रोन सर्वे, सैटेलाइट मैपिंग, थर्ड पार्टी ऑडिट नहीं।

3. राजनीतिक इच्छाशक्तिः नदी बचाने से तत्काल वोट नहीं मिलता, इसलिए प्राथमिकता में नीचे।

4. ठेकेदारी संस्कृतिः गाद निकालने के नाम पर जेसीबी से मिट्टी बेचने का खेल।

भूख हड़तालः गांधीवादी रास्ता, पर कब तक

चन्द्रमणि पांडे 'सुदामा' का भूख हड़ताल पर बैठना बताता है कि लोकतांत्रिक तरीके खत्म हो रहे हैं। ज्ञापन, धरना, प्रदर्शन के बाद जब सुनवाई न हो तो अनशन अंतिम हथियार बचता है। पर सवाल हैः क्या जिला प्रशासन किसी जनप्रतिनिधि की जान जोखिम में डालकर ही जागेगा?

आगे का रास्ताः 12 सूत्रीय भागीरथ योजना

1. नदी पुत्र अधिनियम : मनोरमा, कुआनो, रामरेखा को 'जीवित इकाई' का दर्जा, जैसा उत्तराखंड में गंगा-यमुना को मिला।

2. डिमार्केशनः राजस्व नक्शे से नदी की मूल चौड़ाई निकालकर पैमाइश। अतिक्रमण हटाओ अभियान।

3. गाद नीलामी पारदर्शीः निकाली गई सिल्ट की ई-नीलामी, पैसा नदी खाते में।

4. एसटीपी अनिवार्यः नदी में गिरने वाले हर नाले पर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट।

5. चेकडैम श्रृंखलाः उद्गम से संगम तक हर 5 किमी पर छोटे चेकडैम। मनरेगा + कॉर्पोरेट ष्टस्त्रा

6. नदी न्यासः संत समाज, पर्यावरणविद, प्रशासन, जनप्रतिनिधि का संयुक्त न्यास। सुदामा जैसे लोगों को शामिल करें।

7. वार्षिक ऑडिट आईआईटी बीएचयू या बीबीएयू से नदी स्वास्थ्य रिपोर्ट।

8. कल्चरल मैपिंगः मखौड़ा धाम, ऋषि श्रृंगी आश्रम, पुत्रेष्टि यज्ञ स्थल को पर्यटन सर्किट से जोड़ें। इससे संरक्षण को आर्थिक बल मिलेगा।

9. जीआईएस पोर्टलः जनता के लिए लाइव डैशबोर्ड – जल स्तर, प्रदूषण स्तर, खर्च।

10. दंडात्मक प्रावधानः नदी में कचरा/केमिकल डालने पर 1 लाख जुर्माना + 6 माह कैद।

11. जैविक खेती बफर जोनः नदी के दोनों तरफ 100 मीटर तक रासायनिक खाद प्रतिबंध।

12. भागीरथ सम्मानः हर साल नदी बचाने वाले नागरिक को जिला स्तर पर सम्मान, 1 लाख पुरस्कार।

जिला प्रशासन से 5 तात्कालिक मांगें

1. डीएम बस्ती 48 घंटे में भूख हड़ताल स्थल पर पहुंचकर वार्ता करें।

2. मनोरमा, कुआनो, रामरेखा की ड्रोन मैपिंग 15 दिन में सार्वजनिक हो।

3. पिछले 5 साल में नदी संरक्षण पर खर्च का श्वेत पत्र जारी हो।

4. चफवा जैसी घटनाएं रोकने के लिए अंतर-धार्मिक नदी संरक्षण समिति बने।

5. मॉनसून से पहले गाद निकालने का टेंडर और थर्ड पार्टी मॉनिटरिंग शुरू हो।

निद्रा तोड़ो, वरना इतिहास माफ नहीं करेगा

मनोरमा सिर्फ बस्ती की नदी नहीं, सनातन आस्था की धमनी है। जिस तट पर राम के जन्म का यज्ञ हुआ, वह आज नाले में बदल जाए – इससे बड़ा सांस्कृतिक अपराध क्या होगा? 'सुदामा' आज भागीरथ प्रयास कर रहे हैं। पर अकेले सुदामा गंगा नहीं ला सकते। प्रशासन, सरकार, समाज – तीनों को जगना होगा। माया रूपी निद्रा सबकी आंखों में हैः नेता की, अफसर की, ठेकेदार की, औरहमारी-आपकी भी। अगर अब भी नहीं जागे तो अगली पीढ़ी हमें पूछेगी राम की नदी कहां गई?' और हमारे पास जवाब नहीं होगा।

टटीरी फिर सेः विवाद के बाद बादशाह की वापसी, नए कलेवर में रिलीज होगा गाना

● मशहूर भारतीय रैपर बादशाह (बादशाह) ने अपने हालिया विवादित गाने 'टटीरी ' को लेकर उपजे कड़े विरोध के बाद एक बड़ा कदम उठाया है। गायक ने सोशल मीडिया के जरिए इस गाने के संशोधित संस्करण 'टटीरी फिर से' का ऐलान किया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मशहूर भारतीय रैपर बादशाह (बादशाह) ने अपने हालिया विवादित गाने 'टटीरी ' को लेकर उपजे कड़े विरोध के बाद एक बड़ा कदम उठाया है। गायक ने सोशल मीडिया के जरिए इस गाने के संशोधित संस्करण 'टटीरी फिर से' का ऐलान किया है। उन्होंने प्रशंसकों और अधिकारियों को आश्वासन दिया है कि नए वर्जन से उन सभी हिस्सों को हटा दिया गया है, जिनसे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची थी।

बाद में, हरियाणा राज्य महिला आयोग सहित कई सरकारी संगठनों और अन्य लोगों की शिकायतों के बाद, हरियाणा पुलिस ने इस गाने से जुड़े सैकड़ों लिंक–जिनमें यूट्यूब वीडियो और इंस्टाग्राम रील्स शामिल थे–हटा दिए। बाद में उन्होंने माफी मांगी और बताया कि यह गाना सभी प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया है। अब, 10 अप्रैल को, बादशाह ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने गाने के एक नए वर्जन 'टटीरी फिर से' का ऐलान किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने गाने से सभी आपत्तिजनक हिस्से हटा दिए हैं और इसे अगले हफ्ते रिलीज़ करेंगे।

शुक्रवार को एक इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर करते हुए, बादशाह ने हिंदी में लिखा (जिसका अंग्रेज़ी अनुवाद यह है): 'हरियाणा के लोगों और दुनिया भर में मौजूद मेरे सभी फैंस को मेरा नमस्कार। हाल ही में रिलीज़ हुए गाने 'टटीरी ' को लेकर कई लोगों की भावनाओं को देखते हुए, मैंने कुछ सरकारी अधिकारियों, महिला अधिकारियों, समाजसेवियों और हमारी संस्कृति से जुड़े मामलों में ज़रूरी बदलाव करने का फैसला किया है। इसी आधार पर, हमने ज़रूरी बदलाव किए हैं, और जिन भी हिस्सों से किसी को अपमान महसूस हुआ था, उन्हें हटा दिया गया है। मैं इस घटना के लिए माफी मांगता हूं और उन सभी लोगों की भावनाओं का सम्मान करता हूं जिन्हें ठेस पहुंची है। एक कलाकार के तौर पर, अपने समाज और संस्कृति के प्रति मेरी ज़िम्मेदारी भी उतनी ही अहम है। इसी के साथ, आप सभी से, आपकी भावनाओं से, और आपकी कहानियों व गीतों से मैं तहे दिल से माफी मांगता हूं। 'उन्होंने आगे कहा, ''टटीरी फिर से'- यह सफर अभी शुरू ही हुआ है। आपके सहयोग, आपकी आवाज़ और आपके भरोसे के साथ, इसे आगे बढ़ाया जाएगा। मुझे उम्मीद है कि यह नई ऊर्जा और नया सम्मान लेकर आएगा। यह गाना उन सभी लोगों को समर्पित है जिन्होंने इस विवाद पर अपनी राय रखी। यह एक बातचीत है, और तोड़ने से बेहतर है कि हम कुछ बनाएं। 'टटीरी फिर से' 14.04.26 को सभी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगा - इसे सुनें, शेयर करें और फैलाएं।

'जना नायकन' लीक पर भड़के विजय देवरकोंड, बोले- कलाकारों के सपनों के साथ खिलवाड़ है पायरेसी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

थलापति विजय की बहुप्रतीक्षित और उनके करियर की आखिरी फिल्म 'Jana Nayagan' के ऑनलाइन लीक होने की खबर ने दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग में हड़कंप मचा दिया है। इस घटना पर तेलुगु सुपरस्टार विजय देवरकोंडा ने कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए पायरेसी करने वालों को जमकर लताड़ लगाई है।

विजय देवरकोंडा ने थलापति विजय की फ़िल्म लीक होने पर गुस्सा ज़ाहिर किया अपने ङ्क पोस्ट में उन्होंने लिखा, '#JanaNayagan के लीक होने से मुझे गुस्सा आता है। मैंने अपने करियर की शुरुआत में, जब मेरे साथ भी ऐसा कुछ हुआ था, तब मैंने खुद इस दर्द और नुकसान के एहसास को महसूस किया है। थलापति विजय की बहुप्रतीक्षित और उनके करियर की आखिरी फिल्म 'जना नायकन' के ऑनलाइन लीक होने की खबर ने दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग में हड़कंप मचा दिया है। इस घटना पर तेलुगु सुपरस्टार विजय देवरकोंडा ने कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए पायरेसी करने वालों को जमकर लताड़ लगाई है।

विजय देवरकोंडा ने थलापति विजय की फ़िल्म लीक होने पर गुस्सा ज़ाहिर किया

अपने ङ्क पोस्ट में उन्होंने लिखा, '#JanaNayagan के लीक होने से मुझे गुस्सा आता है। मैंने अपने करियर की शुरुआत में, जब मेरे साथ भी ऐसा कुछ हुआ था, तब मैंने खुद इस दर्द और नुकसान के एहसास को महसूस किया है। आपको लगता है कि आप किसी के निशाने पर हैं, आपकी उम्मीदें टूट जाती हैं; यह सिर्फ़ मेरे बारे में नहीं है, इसमें को-एक्टर्स, डायरेक्टर्स, प्रोड्यूसर्स और बहुत से ऐसे लोग शामिल हैं जिनके सारे सपने इस फ़िल्म पर टिके होते हैं। '

उन्होंने आगे कहा, 'इस मौजूदा मसले को जल्द से जल्द सुलझाया जाना चाहिए और इसके पीछे जो लोग हैं, उनकी पहचान की जानी चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है, तो यह सिस्टम की नाकामी को दिखाता है। यह हमें बार-बार याद दिलाता है कि लोग कितने असंवेदनशील हो सकते हैं, और कुछ लोग बिना सोचे-समझे दूसरों को नुकसान पहुँचाने के लिए किस हद तक जा सकते हैं। मैं फ़िल्म की पूरी टीम के साथ अपनी संवेदनाएँ और बिना शर्त अपना पूरा समर्थन देता हूँ (sic)।' नीचे देखें:

Pooja Hegde ने Jana Nayagan फ़िल्म लीक होने पर प्रतिक्रिया दी

शनिवार सुबह, Jana Nayagan की एक्ट्रेस Pooja Hegde ने थलापति विजय की इस आख़िरी फ़िल्म के लीक होने की कड़ी निंदा की। उन्होंने इस घटना को 'दिल तोड़ने वाला' बताया और लोगों से अपील की कि फ़िल्म के ऑफ़िशियल तौर पर रिलीज़ होते ही वे इसे ज़रूर देखें। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ में, 'कूली' एक्ट्रेस ने लिखा, 'मेरे प्यारे दर्शकों। एक फ़िल्म अनगिनत घंटों की मेहनत, क्रिएटिव रिस्क, निजी कुर्बानियों और एक ऐसी टीम का

नतीजा होती है, जो हर दिन इस उम्मीद के साथ काम पर आती है कि आपको सबसे बेहतरीन अनुभव दे सके। हमारी फ़िल्म का ऑनलाइन लीक होना बहुत दुख की बात है - न सिर्फ़ मेरे लिए, बल्कि उस हर एक इंसान के लिए जिसने इस पर काम किया है। इसे लीक होते और गैर-कानूनी तरीके से शेयर होते देखना बहुत मुश्किल है - इसलिए नहीं कि इससे फ़िल्म के आंकड़ों पर असर पड़ेगा, बल्कि इसलिए कि यह उस इज़्ज़त को छीन लेता है जिसके हर कलाकार और टेक्नीशियन हकदार हैं... और हाँ, क्या हम सब इस बात के हकदार नहीं हैं कि एक साथ मिलकर विजय सर की आखिरी फ़िल्म को, आखिरी बार, बड़े पर्दे पर सही तरीके से देखें और उसका जश्न मनाएँ? तो चलिए, इसे सही तरीके से ही देखते हैं... थोड़ा इंतज़ार करते हैं। यह सही समय पर रिलीज़ हो जाएगी। ' उन्होंने अपने नोट का अंत इन शब्दों के साथ किया, 'चलिए, पायरेसी को बढ़ावा न दें। इसी तरह सिनेमा और कला जिंदा रहेंगे। प्यार, कला। कलाकार। टेक्नीशियन। - PH #jananayagan '